घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 94- मंगलवार 03- फरवरी 2026,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 4 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

संसद में राहुल के भाषण पर हंगामा....राजनाथ-शाह ने टोका,स्पीकर ने माइक बंद कराया

चीनी टैंक डोकलाम तक पहुंचे,पूर्व आर्मी चीफ की किताब कोट की : राहुल गांधी

नई दिल्ली,02 फरवरी 2026। लोकसभा में सोमवार को राहुल गांधी के भाषण के दौरान जोरदार हंगामा हुआ। राहुल ने पूर्व आर्मी चीफ जनरल नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब का हवाला देते हुए कहा- 4 चीनी टैंक भारत की सीमा में पहुंच गए थे। राहुल के ऐसा कहते ही पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फिर गृह मंत्री शाह ने उन्हें टोका। इसके बाद स्पीकर ने नियमों का हवाला देते हुए उन्हें रोका। राहुल करीब 46 मिनट तक अपनी बात कहने की कोशिश करते रहे। इसके बाद स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 3 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही राहुल ने बोलना शुरू किया। लेकिन हंगामे के चलते महज 9 मिनट बाद ही कार्यवाही शाम 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। शाम 4 बजे भी कार्यवाही शुरू होते ही फिर हंगामा हुआ और 11 मिनट बाद कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई।

नरवणे की आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी', पब्लिश नहीं हुई

राहुल गांधी संसद में जिस किताब के आधार पर डोकलाम में चीनी टैंक घुसने का दावा कर रहे हैं, वह पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे ने लिखी है। 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' नामक यह किताब अभी पब्लिश नहीं हुई है। इसका हार्डकवर अप्रैल 2024 से ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर उपलब्ध है। किताब में चीन के साथ भारतीय सेना की 2020 की झड़पों के साथ-साथ अग्निवीर योजना को रिव्यू किया गया है। 2019 से 2022 तक सेना प्रमुख रहे नरवणे ने इंडियन एक्सप्रेस के इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने अपनी किताब पेंग्विन पब्लिशर ग्रुप को छपने के लिए दे दी है। अब यह प्रकाशन समूह और सरकार के बीच का मामला है। किताब रक्षा मंत्रालय को मंजूरी के लिए भेजी गई है। एक साल से ज्यादा हो चुका है लेकिन इसे पब्लिश करने की मंजूरी नहीं मिली है।

राहुल गांधी ने कहा...जब चीन हमारे सामने आ रहा था,तब 56 इंच की छाती को क्या हुआ : राहुल ने मीडिया से कहा,'मैं सुरक्षा के मुद्दे पर सदन में बोलना चाहता था। पूर्व आर्मी चीफ ने राजनाथ सिंह से क्या कहा था। पता नहीं सरकार क्यों डरी हुई है। मैं पूर्व आर्मी चीफ की बात बताना चाहता था। नरवणेजी ने पीएम के बारे में, राजनाथ के बारे में एक आर्टिकल में लिखा है। मैं वो बोल रहा हूं, लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है। चाइना हमारे सामने आ रहा था। तब 56 इंच की छाती को क्या हुआ था। '

राजनाथ ने कहा- राहुल को बोलने से रोका जाए : राहुल ने कहा,ये राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला है। हमारी सेना ईस्टर्न लद्दाख में थी। चीन की सेना वहां घुस गई। राजनाथ ने कहा...मैं जानना चाहता हूं कि राहुल जी को ये बातें कहां से पता चलीं वे बताएं। ये गुमराह कर रहे हैं इन्हें इस मसले पर बोलने से रोका जाए। राजनाथ ने कहा- राहुल जिस किताब के बारे में चर्चा कर रहे हैं। जो तथ्य कह रहे हैं तो वह किताब में होंगे तो प्रकाशित हुए होते। अमित शाह ने कहा... राहुल ने खुद कह दिया है कि पुस्तक प्रकाशित नहीं हुई है। अब बात ही खत्म हो जाती है। जो बुक पब्लिश ही नहीं है उसका जिक्र कैसे कर सकते हैं। अमित शाह ने कहा,तेजस्वी ने 2004 से 2014 के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कहे गए शब्दों का जिक्र किया था। अगर राष्ट्रपति के भाषण पर कोई आर्टिकल है तो पढ़ सकते हैं। ओम बिरला ने कहा, मैं आप सबसे अपेक्षा करूंगा हम सदन की गरिमा मर्यादा को बनाए रखें। रूल सब सदन के लिए होते हैं। मैंने इस पर व्यवस्था कर दी है। नेता प्रतिपक्ष अपनी बात रखें।

महुआ बोलीं- हम क्या प्रधानमंत्री की जय करने बस आए हैं...

महुआ मोइत्रा ने कहा...तेजस्वी सूर्या जैसा कोई भी खड़ा होकर कुछ भी कह सकता है और उसकी तारीफ़ होती है। और फिर, जब हम विपक्ष के तौर पर कुछ कहने के लिए खड़े होते हैं, तो हमारे अधिकार छीन लिए जाते हैं और हमें बताया जाता है कि इस पर एक नियम है। वह कह रहे हैं कि नियम 349 कहता है कि आप सदन के कामकाज के अलावा कुछ भी नहीं कह सकते। आज सदन के कामकाज में राष्ट्रपति का अभिभाषण है, और राष्ट्रपति हर चीज़ के बारे में बात करते हैं। क्या आप मुझसे कह रहे हैं कि भारत-चीन संबंधों का ज़िक्र सदन में नहीं किया जा सकता? भारत-पाकिस्तान संबंधों का ज़िक्र सदन में नहीं किया जा सकता? भारत-अमेरिका संबंधों का ज़िक्र सदन में नहीं किया जा सकता? हमें किस बारे में बात करनी चाहिए? बैठ जाएं और जय प्रधानमंत्री करें? क्या हमें सदन में बस यही करना चाहिए?... '

किरेन रिजिजू ने कहा...हम सुनना चाहते हैं, राहुल बोले...ये बात चाइना के बारे में है...

किरेन रिजिजू ने कहा...हम शब्द शांति से सुनना चाहते हैं। ये सदन नियम से चलता है। विपक्ष के लीडर खुद नियम नहीं मानेंगे तो कैसे चलेगा। आपने 5 बार कहा है कि रूलिंग दे दी है। मैं राहुल जी से अपील करता हूं। आपको सदस्यों को व्यवहार सिखाना चाहिए। अगर आप नहीं मानेंगे तो बाकी लोग क्या सीखेंगे। रूल बनाया है मानना पड़ेगा। ओम बिरला-विपक्ष के नेता राहुल जी लगातार आप अवहेलना कर रहे हैं। आप राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोल रहे हैं तो ठीक है। राहुल गांधी, 'मैं किताब को कोट नहीं कर सकता,मैंने कहा मैं किताब को नहीं मैगजीन को कोट करता हूं। फिर मैंने कहा कि चाइना इंडिया के रिश्ते पर बोल रहा हूं। आप मुझे बताएं चीन भारत के रिश्ते पर बोलना कौन से नियम का उल्लंघन है।

रक्षा मंत्री ने मंजूरी दी...यंत्र इंडिया लिमिटेड को मिला 'मिनीरत्न' श्रेणी-I का दर्जा

नई दिल्ली,02 फरवरी 2026। यंत्र इंडिया लिमिटेड (वाईआईएल) को 'मिनीरत्न' श्रेणी-I का दर्जा मिल गया है। इससे कंपनी को सरकार की मंजूरी के बिना नए प्रोजेक्ट,आधुनिकीकरण, उपकरण खरीद आदि पर 500 करोड़ रुपये तक का पूंजीगत व्यय करने का अधिकार प्राप्त हो गया है। रक्षा मंत्री ने रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (डीपीएसयू) को चार वर्षों के कम समय में सरकारी संगठन से लाभ कमाने वाली कंपनी में परिवर्तित होने पर बधाई दी। वाईआईएल ने स्थापना के बाद से कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित की हैं, जिसमें 2021-22 (दूसरी छमाही) में 956.32 करोड़ रुपये की बिक्री से वित्त वर्ष 2024-25 में 3,108.79 करोड़ रुपये तक की वृद्धि शामिल है। निर्यात के मोर्चे पर कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 (दूसरी छमाही) में शून्य से वित्त वर्ष 2024-25 में 321.77 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की है। वाईआईएल के प्रमुख उत्पादों में कार्बन फाइबर कंपोजिट, मध्यम और बड़े कैलिबर गोला-बारूद के लिए असेंबली उत्पाद, बख्तरबंद वाहनों के लिए असेंबली उत्पाद, तोपखाने और मुख्य युद्धक टैंकों (एमबीटी) के लिए असेंबली उत्पाद, ग्लास कंपोजिट, एल्युमीनियम मिश्र धातु आदि शामिल हैं। मिनीरत्न (श्रेणी-I) का दर्जा मिलने से वाईआईएल के बोर्ड को सरकार की मंजूरी के बिना नए प्रोजेक्ट,आधुनिकीकरण, उपकरण खरीद आदि पर 500 करोड़ रुपये तक का पूंजीगत व्यय करने का अधिकार प्राप्त हो गया है। इससे कंपनी को रक्षा उत्पादन और निर्यात में तेज विकास तथा नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने में और अधिक सहायता मिलेगी। सरकार के इस फैसले में रक्षा विनिर्माण, अनुसंधान और रणनीतिक प्रौद्योगिकियों में स्वदेशी क्षमताओं के निर्माण पर विशेष जोर दिया गया है। यह निर्णय व्यापक रक्षा सुधारों के अनुरूप है,जिनका उद्देश्य आयात पर निर्भरता कम करना, घरेलू रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देना, भारतीय उद्योग की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और भारत को वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में कार्यात्मक स्वायत्तता, दक्षता बढ़ाने और नवाचार एवं विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकार ने पूर्ववर्ती आयुध कारखाना बोर्ड (ओएफबी) का निगमीकरण करके सात नए रक्षा उपक्रमों (डीपीएसयू) का गठन किया था।

ममता काली शॉल ओढ़कर मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलीं...

बोलीं...चुनाव आयोग बीजेपी का आईटी सेल है

ऐसा झूठा चुनाव आयुक्त कभी नहीं देखा

नई दिल्ली,02 फरवरी 2026। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सोमवार को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के खिलाफ काली शॉल ओढ़कर दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात की। उनके साथ एसआईआर प्रभावित 13 परिवार और ञस्ष्ट के नेता भी थे। मुलाकात के बाद ममता ने कहा,'मैं बहुत दुखी हूं। मैं दिल्ली की राजनीति में लंबे समय से सक्रिय हूं। मैं चार बार केंद्रीय मंत्री और सात बार सांसद रह चुकी हूं। मैंने आज तक ऐसा अहंकारी और झूठा चुनाव आयुक्त नहीं देखा। ममता बोलीं, मैंने चुनाव आयुक्त से कहा कि उनकी कुर्सी का सम्मान करती हूं, क्योंकि कोई भी कुर्सी हमेशा के लिए नहीं रहती। एक दिन उनको जाना ही होगा। बंगाल को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? चुनाव लोकतंत्र का त्योहार होते हैं, लेकिन उन्होंने 58 लाख लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए और अपना बचाव करने का मौका तक नहीं दिया। यह चुनाव आयोग नहीं,बीजेपी का आईटी सेल है। इसके पहले सुबह ममता ने दिल्ली पहुंचते ही कहा कि वे एसआईआरके मुद्दे पर लड़ाई जारी रखेंगी। अगर इस देश में कोई नहीं लड़ेगा,तो मैं लड़ूंगी,हमारी पार्टी लड़ेगी।

बंग भवन के बाहर दिल्ली पुलिस की तैनाती : इस बीच,हेली रोड और चाणक्यपुरी स्थित दोनों बंग भवनों के बाहर दिल्ली पुलिस की भारी तैनाती की गई है। ममता ने आरोप लगाया कि बंगा भवन में ठहरे बंगाल के लोगों को धमकाया जा रहा है। वहां भारी संख्या में पुलिस डराने के लिए तैनात की गई है। ममता ने कहा...हमारा मामला सुप्रीम कोर्ट में है। लोगों की मौत हुई है, तो क्या उनके परिवार मीडिया से बात भी नहीं कर सकते? 'ममता ने कहा, जब मैं यहां आती हूं तो ये लोग घबरा जाते हैं। मैं चाहती तो लाखों लोगों को साथ ला सकती थी। दिल्ली को 'जमींदारी जैसा' बताते हुए उन्होंने कहा कि यहां गरीबों के लिए जगह नहीं है। ममता ने दिल्ली पुलिस से कहा कि एसआईआरसे प्रभावित परिवारों को परेशान न किया जाए। हम यहां न्याय के लिए आए हैं। पुलिस ने बताया कि ममता की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस की तैनाती की गई थी।

बंगाल में 58 लाख लोगों के नाम वोटर लिस्ट से कटे : दरअसल,चुनाव आयोग ने 19 दिसंबर 2025 को पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआरकी नई वोटर लिस्ट जारी की। ड्राफ्ट रोल के बाद कुल मतदाता 7.08 करोड़ हैं। पहले 7.66 करोड़ थे। कुल 58 लाख 20 हजार से ज्यादा नाम काटे गए हैं।

पश्चिम बंगाल में सुनवाई प्रक्रिया जारी : नई लिस्ट जारी होने के बाद अब सुनवाई की प्रक्रिया जारी है। पहले चरण में उन लगभग 30 लाख मतदाताओं को नोटिस भेजे गए हैं,जिनके एन्यूमरेशन फॉर्म में प्रोजेनी मैपिंग (वंशावली मिलान) दर्ज नहीं पाई गई है। इसके अलावा विभिन्न जिलों की 'संदिग्ध' श्रेणी में शामिल मतदाताओं को भी सुनवाई के लिए बुलाया गया है।

सीबीआई का बड़ा अंतरराष्ट्रीय अभियान

'ऑपरेशन साइस्ट्राइक' में 35 ठिकानों पर छापेमारी, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली,02 फरवरी 2026। सीबीआई ने एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय अभियान चलाया। इस अभियान का नाम ऑपरेशन साइस्ट्राइक रखा गया। इसमें अमेरिका की एफबीआई,यूनाइटेड किंगडम,कुवैत,आयरलैंड और सिंगापुर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य भारत और इन देशों से संचालित होने वाले ट्रांसनेशनल साइबर-इनेबल्ड फाइनेंशियल क्राइम नेटवर्क को तोड़ना था। सीबीआई ने इस दिन नई दिल्ली, बिहार,महाराष्ट्र, कर्नाटक,पंजाब,राजस्थान,उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में कुल 35 ठिकानों पर छापेमारी की। इन छापेमारियों में कई ट्रांसनेशनल साइबर फ्रॉड नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ,जो अमेरिका, ब्रिटेन,कुवैत,आयरलैंड,सिंगापुर और भारत के लोगों को ऑनलाइन ठग रहे थे। आरोपियों ने फर्जी पहचान का इस्तेमाल करके लोगों को धोखा दिया और बड़ी रकम हड़प ली। दिल्ली में एक प्रमुख नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ,जो अमेरिकी नागरिकों को निशाना बना रहा था। इस नेटवर्क को पूरी तरह खत्म कर दिया गया। छापेमारी के दौरान लैपटॉप,मोबाइल फोन,कंप्यूटर हार्ड डिस्क जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए,जिनमें अपराध से जुड़े डिजिटल सबूत भरे पड़े थे। एक मुख्य आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

जाति गणना केवल सेल्फ डिक्लेरेशन से नहीं होनी चाहिए,सत्यापन जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,02 फरवरी 2026। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि 2027 की जनगणना में जाति गणना सिर्फ सेल्फ डिक्लेरेशन के आधार पर नहीं होनी चाहिए। इसके बजाय इसे किसी भरोसेमंद तरीके से या सबूत के आधार पर करने पर विचार करें। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने आकाश गोयल की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि केवल बिना जांच वाले सर्टिफिकेट के आधार पर किसी को शामिल या बाहर नहीं किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुक्ता गुप्ता ने कहा कि वे जाति जनगणना के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इसे सत्यापित सामग्री के आधार पर किया जाना जरूरी है। यह डेटा कई सालों तक योजनाओं, आरक्षण और नीतियों का आधार बनेगा।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया-लद्दाख में नेपाल-बांग्लादेश जैसे हालात चाहते थे वांगचुक

नई दिल्ली,02 फरवरी 2026। केंद्र सरकार और लद्दाख प्रशासन ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सोनम वांगचुक लद्दाख में नेपाल और बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा करना चाहते थे। उन्होंने बताया कि वांगचुक के बयानों से हिंसा भड़कने का खतरा था। सरकार ने आरोप लगाया, 'वांगचुक ने केंद्र सरकार को 'वे' कहकर संबोधित किया, जो अलगाववादी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने जेन जी को गृहयुद्ध और खूनखराबे के लिए उकसाने की कोशिश की।' न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ के सामने सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका का विरोध करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह दलील दी। यह याचिका वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो ने दायर की है।

'लद्दाख को नेपाल-बांग्लादेश की स्थिति में ले जाना चाहते थे वांगचुक', बोली केंद्र सरकार : सॉलिसिटर जनरल ने कहा, 'वह केंद्र सरकार को 'वे' कहते हैं। यह 'हम' और 'वे' ही एनएसए के तहत हिरासत के लिए पर्याप्त है। इस देश में 'हम' और 'वे' नहीं हैं, हम सभी भारतीय हैं।' मेहता ने आरोप लगाया कि वांगचुक लद्दाख को नेपाल या बांग्लादेश जैसी स्थिति में ले जाना चाहते थे और उन्होंने युवाओं को भड़काने के लिए अपने भाषणों में महात्मा गांधी का नाम केवल एक आवरण के रूप में इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि कई बार भड़काऊ भाषण दिए जाते हैं, जिनकी शुरुआत और अंत गांधीजी के नाम से किया जाता है, लेकिन बीच में हिंसा भड़काने वाली बातें होती हैं। मेहता ने वांगचुक के भाषणों का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने नेपाल और अरब क्रांति का उल्लेख करते हुए आत्मदाह जैसी घटनाओं की बात की, जिससे युवाओं को हिंसा की ओर उकसाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि वांगचुक ने आत्मदाह की धमकी देकर लद्दाख आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय रंग देने की कोशिश की।

केंद्र ने सोनम वांगचुक के बयानों को बताया राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा : सॉलिसिटर जनरल ने यह भी कहा कि लद्दाख सीमावर्ती क्षेत्र है और सशस्त्र बलों की आपूर्ति श्रृंखला के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि वांगचुक ने क्षेत्र में जनमत संग्रह जैसे विचारों की बात की, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। इससे पहले, पिछली सुनवाई में वांगचुक की ओर से दलील दी गई थी कि सरकार की आलोचना और विरोध करना उनका लोकतांत्रिक अधिकार है और इससे राज्य की सुरक्षा को खतरा नहीं होता। मामले की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रहेगी।

फ्यूल स्विच में फिर गड़बड़ी...

एअर इंडिया के ड्रीमलाइनर का स्विच हुआ बंद,प्लेन की उड़ानों पर लगी रोक

नई दिल्ली,02 फरवरी 2026। एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के फ्यूल स्विच में खराबी की आशंका के मद्देनजर विमान को उड़ान भरने से रोक दिया गया। विमान के पायलटों ने ईंधन नियंत्रण स्विच में संभावित खराबी की सूचना दी थी। इस मामले पर एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, 'हमें इस बात की जानकारी है कि हमारे एक पायलट ने बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान के फ्यूल स्विच में संभावित खराबी की सूचना दी है। यह प्रारंभिक सूचना प्राप्त होने के बाद हमने उक्त विमान को उड़ान भरने से रोक दिया है।' पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि विमान में 200 से अधिक लोग सवार थे। एअर इंडिया ने कहा, 'पायलट की चिंताओं की प्राथमिकता के आधार पर जांच कराने के लिए निर्माता कंपनी से संपर्क कर रहे हैं। इस मामले की जानकारी विमानन नियामक, डीजीसीए को दे दी गई है। डीजीसीए के निर्देश के बाद एअर इंडिया ने अपने बेड़े के सभी बोइंग 787 विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच की जांच की थी और कोई समस्या नहीं पाई थी।' यह घटना ऐसे समय पर हुई है, जब पिछले साल जून में अहमदाबाद में हुए ड्रीमलाइनर विमान हादसे की जांच चल रही है।

युवाओं,महिलाओं और गरीबों के लिए यह बजट : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ,02 फरवरी 2026। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय बजट के लिए सोमवार को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार प्रकट किया और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री योगी ने अपने सरकारी आवास पर पत्रकारों से कहा कि इस दूरदर्शी बजट के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देता हूँ। उन्होंने कहा कि देश ने पिछले साढ़े 11 वर्षों में जो यात्रा तय की, आज उसी का परिणाम है कि 25 करोड़ से अधिक आबादी गरीबी से बाहर निकलर भारत के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। जब नीति स्पस्ट होती है और नियत साफ होती है, तो इसी प्रकार परिणाम आता है। आज भारत तेजी से आगे बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी का हमेशा से जोर रहा है कि हमें अपने अधिकारों पर ही नहीं बल्कि कर्तव्यों पर जोर दिया जाना चाहिए। समाज, राष्ट्र के प्रति हर नागरिक का क्या कर्तव्य है, यह समझना चाहिए। यह पहला बजट है जो कर्तव्य भवन में आया। इस बजट में रिफॉर्म, ग्रोथ और फिजिकल डिसिप्लिन देखने को मिला है। यह बजट सुदृढ़ कार्य करेगा। बजट में मूल कर्तव्यों के बारे ध्यान आकर्षित किया गया है। किसान, युवा, महिला और गरीब की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर यह बजट पेश हुआ है। इसमें 10 हजार करोड़ एमएसएमई सेक्टर के लिए बजट में प्रावधान किया गया है। सबसे अधिक 96 लाख एसएमएमई इकाइयां उत्तर प्रदेश में हैं। इन्हें आगे बढ़ाने में मदद होगी। यूपी सबसे अधिक इसका लाभ ले सकेगा। सात रेलवे के नए कॉरिडोर में दो यूपी को प्राप्त हुए हैं। ईस्टर्न और वेस्टर्न कॉरिडोर यूपी से होकर गुजरेगा। इसमें ट्रेनों की 300 से 500 किलोमीटर प्रति घण्टा स्पीड होगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वाराणसी से हल्दिया तक वाटरवे शुरू हो गया है। गोमती समेत अन्य नदियों में भी इसका लाभ लिया जा सकता है। 10 हजार करोड़ बायोफार्मा हब बनाने के लिए बजट का प्रावधान किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार इस दिशा में योजना बनाकर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी ग्राम स्वराज योजना भी लॉन्च की गई है। यूपी में सबसे अधिक गांव हैं। इस योजना का सबसे अधिक लाभ उत्तर प्रदेश को मिलेगा। उत्तर प्रदेश के ढाई लाख बुनकर को लाभ होगा।

संपादकीय

आवश्यक है आर्थिक कर्तव्य पूरे करना

बजट में गिनाए गए तीन कर्तव्य

कर्तव्य संस्कृत भाषा का शब्द है। केवल 'ड्यूटी' कह देने से इसका अर्थ हल्का पड़ जाता है। इसकी व्युत्पत्ति कृ और तव्य से मिलकर हुई है। कृ धातु का अर्थ है करना,कर्म में उतरना और तव्य अनिवार्यता को दर्शाता है। इस प्रकार कर्तव्य कोई नैतिक भावना या इच्छापूर्ण संकल्प नहीं,बल्कि परिस्थितियों,सीमाओं और अपरिहार्य समझौतों के बीच किया गया एक बौद्धिक दावा है कि क्या किया जाना अनिवार्य है...

कर्तव्य संस्कृत भाषा का शब्द है। केवल 'ड्यूटी' कह देने से इसका अर्थ हल्का पड़ जाता है। इसकी व्युत्पत्ति कृ और तव्य से मिलकर हुई है। कृ धातु का अर्थ है करना,कर्म में उतरना और तव्य अनिवार्यता को दर्शाता है। इस प्रकार कर्तव्य कोई नैतिक भावना या इच्छापूर्ण संकल्प नहीं,बल्कि परिस्थितियों,सीमाओं और अपरिहार्य समझौतों के बीच किया गया एक बौद्धिक दावा है कि क्या किया जाना अनिवार्य है। आज जब वैश्विक व्यवस्था अस्थिर है,अमेरिका में ट्रंप-युग की टैरिफ राजनीति व्यापार को हथियार बना रही है और भारत जटिल एवं असहयोगी पड़ोसियों से घिरा है,तब कर्तव्य का यह अर्थ और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। ऐसे भू-राजनीतिक तनावों में नीति की वैधता घोषणाओं से नहीं, बल्कि इस स्पष्टता से आती है कि राज्य किन अनिवार्य कार्यों को चुनता है और उन्हें करने का साहस दिखाता है। इस दृष्टि से केंद्रीय बजट 2026-27 महत्वपूर्ण है। इसमें तीन 'कर्तव्यों' जैसे कि विकास को बनाए रखने,क्षमताओं और आकांक्षाओं का निर्माण करने तथा पहुंच और सहभागिता सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह बजट को योजनाओं के संकलन से राज्य की कार्रवाई के सिद्धांत की ओर ले जाने का एक सुनियोजित प्रयास दर्शाता है। एक ऐसा सिद्धांत,जो पूछता है कि यदि 2047 तक विकसित भारत की महत्वाकांक्षा को विश्वसनीय बनाए रखना है,तो सरकार को आज क्या करना चाहिए?

पहला 'कर्तव्य' विकास को तेज करना और उसे बनाए रखना इसी यथार्थवाद को प्रतिबिंबित करता है। यहां विकास को किसी ऐसे वैरिएबल के रूप में नहीं देखा गया है जिसे केवल प्रोत्साहन देकर बढ़ाया जाए,बल्कि उसे प्रतिस्पर्धात्मकता, लचीलापन और घरेलू क्षमताओं के परिणाम के रूप में परिभाषित किया गया है। जैव-फार्मा,सेमीकंडक्टर,इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेंट्स,रेयर अर्थ,रसायन,पूंजीगत वस्तुएं,वस्त्र और खेल उपकरणों तक फैली औद्योगिक रणनीति उस टैरिफ युक्त वैश्विक व्यवस्था के प्रति प्रतिक्रिया का संकेत देती है, जहां उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र का स्वामित्व निर्णायक बन चुका है। इसके लिए पांच वर्षों में बायोफार्मा शक्ति के लिए 10,000 करोड़ रुपये एवं इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेंट्स सहायता का विस्तार करने के लिए 40,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

चार राज्यों में रेयर अर्थ कारिडोर बनाने और 10,000 करोड़ रुपये का कंटेनर विनिर्माण कार्यक्रम शुरू करने की बात कही गई है। साझा बुनियादी ढांचे और जोखिम आवंटन पर जोर देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि फर्म-विशिष्ट प्रोत्साहनों पर। हाई-टेक टूल रूम,केमिकल पार्क,मेगा टेक्सटाइल पार्क और 200 पुराने औद्योगिक क्लस्टरों के पुनर्जीवन का उद्देश्य पूरे अर्थतंत्र में स्थिर लागतों को कम करना है। इन्फ्रास्ट्रक्चर रिस्क गारंटी फंड एक और कड़ी वास्तविकता को स्वीकार करता है। ऊंची ब्याज दरों और जोखिम से बचने वाले वैश्विक माहौल में निजी पूंजी तब तक नहीं आएगी,जब तक प्रारंभिक चरण के जोखिम का सार्वजनिक आकलन नहीं किया जाता।

दूसरा'कर्तव्य'आकांक्षाओं और क्षमताओं का निर्माण इस अनुशासन को मानव पूंजी तक विस्तार देता है। यहां कौशल को कल्याणकारी सहायता के रूप में नहीं, बल्कि उत्पादक क्षमता के रूप में परिभाषित किया गया है। शिक्षा-से-रोजगार और उद्यमिता पर स्थायी समिति के समर्थन के साथ सेवा क्षेत्र पर केंद्रित दृष्टिकोण 2047 तक वैश्विक सेवाओं के निर्यात में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करना एक स्पष्ट महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। यहां जोर वादों पर नहीं, बल्कि ठोस नीतियों पर है। पांच वर्षों में एक लाख सहायक स्वास्थ्य पेशेवर एवं अगले वर्ष में 1.5 लाख देखभाल करने वाले लोगों को तैयार करना तथा एवीजीसी, डिजाइन, पर्यटन और खेल जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर संस्थागत निवेश बढ़ाना इसी का हिस्सा है।

तीसरा 'कर्तव्य' पहुंच और सहभागिता इस ढांचे को राजनीतिक रूप से आधार प्रदान करता है। भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर में वह विकास जो व्यापक समावेशन से वंचित हो,अंततः कमजोर सिद्ध होता है। इसीलिए सहभागिता को उत्पादक क्षमता तक पहुंच के रूप में परिभाषित किया गया है। उच्च-मूल्य कृषि और एआइ-सक्षम परामर्श प्रणालियां,महिला-नेतृत्व वाले उद्यम, कौशल से जुड़ी दिव्यांगता नीति, मानसिक स्वास्थ्य क्षमताओं का विस्तार तथा 'पूर्वोदय' राज्यों और पूर्वोत्तर क्षेत्र का लक्षित विकास इसी के अंग हैं।

ज्ञान,स्क्रीन और संवेदना का संकट

डॉ.सत्यवान सौरभ
बड़वा,भिवानी,हरियाणा

ज्ञान बढ़ा पर भाव क्या,अब भी मन लाचार–यह पंक्ति केवल एक दोहा नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी के मनुष्य की सामूहिक आत्मस्वीकृति है। हमने जितना ज्ञान अर्जित किया है,उतना शायद मानव इतिहास के किसी भी कालखंड में नहीं किया गया। सूचनाएँ उँगलियों पर नाच रही हैं,दुनिया एक छोटे से स्क्रीन में सिमट आई है और विज्ञान ने जीवन को सुविधाओं की पराकाष्ठा तक पहुँचा दिया है। इसके बावजूद–या शायद इसी कारण–मनुष्य भीतर से पहले से अधिक असहाय, असंतुलित और बेचैन दिखाई देता है। आज का संकट ज्ञान के अभाव का नहीं, बल्कि विवेक,संवेदना और ठहराव के लुप्त होने का संकट है।

स्क्रीन की चकाचौंध ने केवल हमारी आँखों को नहीं,हमारी चेतना को भी प्रभावित किया है। मोबाइल,लैपटॉप और डिजिटल माध्यमों ने सूचना को लोकतांत्रिक तो बनाया,पर सोच को गहराई नहीं दी। हम पहले से कहीं अधिक पढ़ते हैं,पर पहले से कहीं कम समझते हैं। हम देखते बहुत हैं,पर महसूस कम करते हैं। हर पल अपडेट रहना आज सचेत होने की पहचान बन गया है,लेकिन इसी निरंतर अपडेट ने मनुष्य को भीतर से थका और खाली कर दिया है। सोशल मीडिया पर विचार नहीं, प्रतिक्रियाएँ जन्म लेती हैं। वहाँ ठहराव नहीं,केवल तात्कालिक उत्तेजना है। सच और झूठ,गंभीरता और सतहीपन,संवेदना और सनसनी–सब एक ही मंच पर समान महत्व के साथ परोसे जा रहे हैं। ऐसे वातावरण में सते विचार,जो समय,मौन और आत्मसंवाद से उपजते हैं,धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे हैं।

आज का मनुष्य ऐसे समय में जी रहा है जहाँ संवाद लगातार हो रहा है, पर संवादहीनता भी उतनी ही गहरी है। मोबाइल के कक्ष में आवाज़ें चिल्ला रही हैं–कॉल,मैसेज,वीडियो,मीटिंग्स, रील्स–हर ओर शोर है। लेकिन इसी शोर के बीच मनुष्य अपने ही भीतर की आवाज़ सुनने की क्षमता खो बैठा है। बाहर की बातचीत बढ़ी है,भीतर का संवाद घटा है। जब भीतर की खामोशी को सुना नहीं जाता,तो वह धीरे-धीरे कुंठा, आक्रोश और असंतुलन में बदल जाती है। आज रिश्तों में बढ़ता तनाव, समाज में बढ़ती असहिष्णुता,ऑन लाइन अपमान और वास्तविक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलता–ये सब उसी अनसुनी खामोशी के लक्षण हैं।

हम बोलना जानते हैं, पर सुनना भूल चुके हैं। न दूसरों की पीड़ा सुन पाते हैं,न अपने मन की बेचैनी को समझ पाते हैं। संवाद की यह विफलता केवल व्यक्तिगत नहीं,सामाजिक भी है। जब समाज सुनना छोड़ देता है,तो असहमति शत्रुता में बदल जाती है और विचार विमर्श के स्थान पर टकराव जन्म लेता है।

विज्ञान ने निःसंदेह मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएँ दी हैं। रोगों पर नियंत्रण,संचार की गति,यात्रा की सरलता और उत्पादन की क्षमता–इन सब क्षेत्रों में विज्ञान ने क्रांति की है। लेकिन इसी विज्ञान से यह अपेक्षा भी जुड़ी थी कि वह मनुष्य को अधिक संतुलित,अधिक संवेदनशील और अधिक जिम्मेदार बनाएगा। दुर्भाग्यवश,ऐसा नहीं हुआ। विज्ञान ने हमें शक्ति दी, पर संयम नहीं सिखाया। गति दी,पर विराम नहीं। साधन दिए,पर मर्यादा नहीं।

आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि हम क्या कर सकते हैं,बल्कि यह है कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। तकनीक हमें आगे बढ़ने के असंख्य रास्ते दिखाती है,पर यह नहीं बताती कि कब रुकना है। यह निर्णय विवेक करता है, और विवेक का विकास मशीनों से नहीं, मानवीय मूल्यों से होता है।

हमने ज्ञान को केवल संग्रहण तक सीमित कर दिया है। डिग्रियाँ बढ़ीं, पर दृष्टि संकुचित होती गई। विशेषज्ञता बढ़ी, पर समग्र समझ घटती चली गई। आज का शिक्षित व्यक्ति भीड़ में शामिल होने में तेज़ है,पर अकेले खड़े होकर सच बोलने में हिचकता है। यह शिक्षा का नहीं,सूचना के बोझ का परिणाम है। ज्ञान जब संवेदना से कट जाता है, तो वह अहंकार बन जाता है। तकनीक जब विवेक से कट जाती है, तो वह नियंत्रण के बजाय वर्चस्व का साधन बन जाती है।

इस स्थिति का समाधान तकनीक को नकारने में नहीं,बल्कि उसे मानवीय मूल्यों के अधीन रखने में है। स्क्रीन से भागना संभव नहीं,पर उसके सामने नतमस्तक होना भी अनिवार्य नहीं। हमें फिर से मौन का महत्व समझना होगा। हमें संवाद को केवल बोलने की प्रक्रिया नहीं,सुनने की कला बनाना होगा। ज्ञान को आत्मचिंतन से जोड़ना होगा और विज्ञान को नैतिकता के साथ संतुलित करना होगा।

परिवार,शिक्षा और समाज–तीनों स्तरों पर यह पुनर्संरचना आवश्यक है। बच्चों को केवल स्मार्ट नहीं, संवेदनशील बनाना होगा। शिक्षा को केवल प्रतिस्पर्धा का मैदान नहीं,बल्कि मानवीय विकास का माध्यम बनाना होगा। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि गति के साथ ठहराव भी उतना ही आवश्यक है।

आज आवश्यकता किसी नए आविष्कार की नहीं,बल्कि पुरानी मानवीय समझ की पुनर्स्थापना की है। तकनीक हमारे जीवन का साधन बने, लक्ष्य नहीं। संवाद शोर नहीं, सेतु बने। और ज्ञान केवल बढ़े नहीं, मनुष्य को बेहतर बनाए। यदि हम यह संतुलन नहीं बना पाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ शायद अत्यंत उन्नत होंगी–पर भीतर से और भी अधिक लाचार।

एक धड़कन,जिसने जिंदगी बदल दी

श्रुति ठाकुर,धनंजय राठौर

गांव में मितानिन ने एक दिन कहा था,आपके बच्चे की धड़कन बाकी बच्चों से तेज है,यह वाक्य आज भी रजनी यादव के कानों में गूंजता है। वे बोलते-बोलते रो पड़ती हैं,हमने कभी ध्यान ही नहीं दिया अब लगता है,क्यों नहीं दिया! गोगांव,रायपुर की रहने वाली रजनी यादव का तीसरा बेटा अरमान,अपने दोनों बड़े भाईयों और दोस्तों के साथ हंसता-खेलता बड़ा हो रहा था। कभी पिट्ठूल खेलता,कभी दौड़ लगाता,सब कुछ सामान्य लगता था। बस बार-बार होने वाला सर्दी-बुखार माता- पिता को थोड़ा परेशान जरूर करता था, लेकिन किसी को अंदेशा नहीं था कि उस मासूम सी हंसी के पीछे एक गंभीर खतरा छिपा है। फिर 13 दिसंबर 2025 का दिन आया। सरोरा स्थित शासकीय स्कूल में,कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार पहुँची चिरायु टीम ने जब बच्चों की जांच शुरू की, तो अरमान की बारी पर डॉक्टर ठिठक गए। उसके हृदय की धड़कन सामान्य नहीं थी। यही वह पल था,जिसने एक परिवार की

जिंदगी की दिशा बदल दी।

प्रोजेक्ट धड़कन छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले की एक स्वास्थ्य पहल है,जिसका उद्देश्य मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर बच्चों में जन्मजात हृदय रोगों का जल्द पता लगाना और उनका मुफ्त इलाज कराना है,जिसमें श्री सत्य साई हॉस्पिटल और जिला प्रशासन मिलकर काम कर रहे हैं,विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाकर बच्चों की जांच की जाती है और उन्हें आवश्यक डिजिटल उपकरण (जैसे स्टेथोस्कोप) प्रदान किए जाते हैं। टीम अरमान को तत्काल श्री सत्य साई नारायण अस्पताल, नया रायपुर लेकर गई। विस्तृत जांच हुई और रिपोर्ट ने माता-पिता के पैरों तले जमीन खिसका दी। अरमान के दिल में 18 मिमी का छेद था। डॉक्टरों ने बिना देर किए कहा, ऑपरेशन जरूरी है। ईंट-भट्ठे में काम करने वाले पिता रंगनाथ यादव और मां रजनी के सामने सवालों का पहाड़ खड़ा था कि पैसे का इंतजाम कैसे होगा? बच्चा का स्वास्थ्य,उसका भविष्य कैसा होगा? लेकिन उस घड़ी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। चिरायु टीम की सलाह पर भरोसा किया और अपने बेटे को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट 'धड़कन' के अंतर्गत 28 दिसंबर 2025 को विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में अरमान का जटिल हृदय ऑपरेशन पूरी तरह निःशुल्क सफलतापूर्वक किया गया। लगातार निगरानी और देखभाल के बाद कुछ ही दिनों में वह डिस्चार्ज होकर घर वापिस आ गया। आज जब अरमान पिट्ठूल खेलता है,दोस्तों के पीछे भागता है, तो यह विश्वास करना मुश्किल हो जाता है कि सिर्फ एक हफ्ते पहले वह अस्पताल में एक जटिल सर्जरी प्रक्रिया से गुजर रहा था। चिरायु टीम द्वारा लगातार फॉलो-अप किया जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार अरमान की सेहत में उल्लेखनीय सुधार है और वह पूरी तरह स्वस्थ है। उसके चेहरे की मुस्कान आज सिर्फ उसके परिवार की नहीं,पूरे मोहल्ले की खुशी बन गई है। भावुक होकर रजनी यादव कहती हैं,अगर समय पर जांच और ईलाज नहीं मिलता,तो शायद आज मेरा बच्चा मेरे सामने न होता। वहीं पिता रंगनाथ यादव कहते हैं,मेरे पास न पैसा था,न साधन लेकिन प्रोजेक्ट धड़कन ने मेरे बेटे को नई जिंदगी दे दी। आज अरमान केवल अपने माता-पिता का सहारा नहीं,बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए आशा, विश्वास और समय पर मिली मदद की ताकत का प्रतीक बन चुका है। रजनी और रंगनाथ,मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते नहीं थकते। यह कहानी सिर्फ एक बच्चे के बचने की नहीं है-यह कहानी है संवेदनशील शासन, समय पर हस्तक्षेप और उस भरोसे की,जो एक मासूम दिल को फिर से धड़कने का मौका दे सका।

सुहासिनी गांगुली:स्वातंत्र्य समर का अचर्चित क्रांतिकारी स्वर

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

आततायी,जुल्मी एवं दमनकारी अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष करने वाले मां भारती के पुत्र-पुत्रियों की एक लम्बी श्रंखला है। अनेकानेक क्रांतिकारी युवक-युवतियों ने पराधीनता की बेड़ियों से भारत माता को मुक्त कराने के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। हंसते-हंसते फांसी के फंदों को चूमा, सीने पर गोलियां खाई,जेलों में अंग्रेजों का अमानवीय व्यवहार एवं यातना की पीड़ा झेली,अनगिनत जुल्म-अत्याचार सहे,किंतु पल भर को भी अपने लक्ष्य से किंचित डिगे नहीं। सोते-जागते एकमेव लक्ष्य भारत की स्वतंत्रता हेतु बद्धपरिकर हो अहर्निश क्रांति साधना में जुटे रहे। क्रांतिकारियों के त्याग,तपस्या, संघर्ष, बलिदान एवं समर्पण से देश स्वतंत्र हो गणतंत्र बना। लाल किले से तिरंगा ध्वज ने नील गगन में फहरते हुए मानो अपनी स्वतंत्रता, सम्प्रभुता एवं गणतांत्रिक राज्य की उच्च स्वर में घोषणा कर क्रांति कारियों के बलिदान एवं समर्पण की सराहना की। 15 अगस्त को देश को आजादी मिली और स्वतंत्रता आंदोलन में राजनीतिक संघर्ष करने वाले मुट्ठी भर नेता नायक बन चमक उठे,अपनी हर सांस एवं लहू का एक-एक कतरा आजादी की नींव में विसर्जित करने वाले असंख्य नायक नींव के अंधेरे में ही खो गये। आजादी के लिए सशस्त्र संघर्ष करने वाले क्रांतिकारी भुला दिए गये। अपवाद स्वरूप अंगुलियों में गिने जा सकने वाले क्रांतिकारियों के योगदान को छोड़ शेष समय की धूल में कहीं दब अचर्चित-अनचीन्हे ही रह गये। इन अचर्चित-अनचीन्हे क्रांति कारियों की श्रंखला में चटगांव शस्त्रागार पर हमला करने वाले क्रांतिकारी दल का समन्वय करने वाली सुहासिनी गांगुली का क्रांतिधर्मी व्यक्तित्व लोक सम्मुख नहीं आ सका,जिन्हें आत्मीयता से लोग सुहासिनी दीदी सम्बोधित कर अपनी श्रद्धा निवेदित करते थे। आज 3 फरवरी सुहासिनी गांगुली की जन्म जयंती है।

आजीवन अविवाहित रह कर देश सेवा का व्रत धारण करने वाली क्रांतिकारी सुहासिनी गांगुली का जन्म 3 फरवरी,1909 को बंगभूमि ढाका के निकट खुलना नामक स्थान पर हुआ था,जो अब बांग्लादेश अंतर्गत आता है। पिता अबिनाशचंद्र गांगुली एवं माता श्रीमती सरला सुंदरी देवी आधुनिक विचारों से प्रभावित बालिका शिक्षा के समर्थक थे। इस कारण बालिका सुहासिनी गांगुली की शिक्षा का उचित प्रबंध किया गया। वर्ष 1924 में ईडन हाईस्कूल से मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण कर सुहासिनी 1927 में एक मूक-बधिर विद्यालय में शिक्षक बन कर कलकत्ता आ गईं। साथ ही उच्च शिक्षा हेतु अध्ययन का क्रम भी जारी रखा। यहीं कालेज में अध्ययन के दौरान सुहासिनी की भेंट ईडन हाईस्कूल की पूर्व छात्रा प्रीतिलता वाड्डेदार से हुई जो क्रांतिकारी संस्था युगांतर (जुगांतर) से जुड़ी थीं। फलतः सुहासिनी भी युगांतर की सक्रिय सदस्य बन गयी। तब कालेज में ही छात्री संघ की दो सदस्य सहेलियों-कमला दासगुप्ता एवं बीना दास से घनिष्ठता बढ़ी, जो युगांतर संस्था से जुड़े क्रांतिकारियों को बाहर से मदद पहुंचाने का काम करती थीं। उनके माध्यम से सुहासिनी की भेंट रसिक दास तथा हेमंत तरफदार से हुई जो क्रांतिकारी गतिविधियों का नेतृत्व करते हुए गुप्तरूप से युवक-युवतियों को तलवारबाजी एवं बम-पिस्तौल चलाने का प्रशिक्षण देते थे और आत्मरक्षा के तौर-तरीके सिखाते थे। सुहासिनी गांगुली ने रुचि लेकर जल्दी ही इनमें निपुणता प्राप्त कर ली। हालांकि क्रांतिकारी बहुत सावधानी रखते थे किंतु अंग्रेजी पुलिस और गुप्तचर भी भेद पाने के लिए पीछे पड़े रहते थे और किसी युवक-युवती के व्यवहार पर शंका होने पर चोरी-छिपे पीछा करते और आवश्यक जानकारी जुटा कर गिरफ्तार करते थे। सुहासिनी गांगुली के देशभक्ति पूर्ण व्यवहार एवं कालेज में की जा रही गतिविधियों से गुप्तचर लगातार पीछा करने लगे थे। तब साथियों की सलाह पर सुहासिनी गांगुली फ्रांसीसी नियंत्रण वाले क्षेत्र चंद्रनगर चली गईं,जहां पर ब्रिटिश पुलिस और गुप्तचर का भय न था। चंद्रनगर में सुहासिनी ने दिखाने एवं अंग्रेज गुप्तचरों को भ्रमित करने के लिए एक विद्यालय में शिक्षिका बन काम शुरू किया। एक क्रांतिकारी शशिधर आचार्य की छद्म पत्नी बनकर एक बड़ा दुमंजिला मकान किराये पर ले रहने लगे। अब यह भवन क्रांतिकारियों के ठहरने, योजना बनाने एवं क्रियान्वयन बाद मिलने की सुरक्षित जगह बन गया। क्रांतिकारियों का आना-जाना लगा रहता।

18 अप्रैल,1930 को अंग्रेजों के हथियार,असलहा,बम-बारूद आदि रखने की सुरक्षित जगह चटगांव शस्त्रागार पर मास्टर सूर्यसेन के नेतृत्व में जोरदार हमला कर हथियार लूट लिए गये। कुछ क्रांतिकारी छिपने हेतु सुहासिनी गांगुली के पास चंद्रनगर पहुंच गये। इसी बीच फ्रांस और इंग्लैंड के बीच संधि होने से ब्रिटिश पुलिस एवं गुप्तचर भी चंद्रनगर में फ़ैल गये।

वह सितम्बर महीने का एक सामान्य दिन था,किंतु आसमान काले बादलों से घिरा हुआ था,मानो किसी अनहोनी का संकेत दे रहे हों। सुहासिनी के मकान में बैठे कुछ क्रांतिकारी योजना बनाने हेतु गुप्त बैठक कर रहे थे कि तभी अंग्रेज अधिकारी चार्ल्स टेगार्ट ने अपने गुप्तचर और भारी पुलिस बल के साथ मकान को चारों ओर से घेर कर गोलीबारी शुरू कर दी। अचानक हमले से क्रांतिकारी संभल नहीं पाये। जीवन घोषाल गोली लगने से मौके पर ही स्वर्ग सिधार गये, कुछ घायल हुए। क्रांतिकारी साथी शशिधर आचार्य,सुहासिनी गांगुली, लोकनाथ,गणेश घोष और हेमंत तरफदार गिरफ्तार कर लिए गये। मुकदमा चलाकर जेल की सजा हुई।

इस तरह सुहासिनी गांगुली वर्ष 1932 से 1938 तक खड़गपुर के पास हिजली जेल में बंद रहीं। जेल से छूटने के बाद कम्युनिस्ट पार्टी में काम करना प्रारंभ किया। 1942 में गांधी जी के भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भाग लेने वाले हेमंत तरफदार की भरपूर मदद करने पर अंग्रेजों ने फिर गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया। वह 1945 में जेल से मुक्त हुईं। वह धनबाद में आश्रम बनाकर रहने वाले संन्यासी हो गये क्रांतिकारी हेमन्त तरफदार से मिलीं और संन्यासिनी की भांति रहते हुए लोक सेवा के काम में जुट गईं। देश आजाद हो चुका था। वह कलकत्ता प्रवास करतीं और लोक जागरण करतीं। आश्चर्य! पुलिस ने शांति भंग के आरोप में 1950 में गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया। जेल से छूटने के बाद सार्वजनिक जीवन से मोह भंग हो गया। 23 मार्च, 1965 को एक सड़क दुर्घटना में उनका निधन हो गया।

ये मियाँ-बीबी भी ना...

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर,बिहार

कितने सालों के इंतजार के बाद अब हम दोनों मिलने वाले थे। प्यार तो नहीं लेकिन दोस्ती बहुत गहरी है और सच ये भी है कि हम दोनों में बहुत झगड़ा होता है लेकिन जितना ज़्यादा झगड़ा होता है उससे दस गुना प्यार है। अच्छा! आप सभी कही - ये तो नहीं सोच रहे हैं कि वो मेरे लिए बिहार आ रहा है। तो मै साफ-साफ बता दूँ कि वो मेरे लिए नहीं बल्कि अपनी होने वाली पत्नी को घूमाने ला रहा है बिहार। ऐसे तो दोनों बिहारी है लेकिन जाँब के कारण बिहार आ नहीं पा रहे थे इस बार मौका भी मिल गया और वजह मुझे बना दिया। ऐसे तो मैं उसकी सबसे अच्छी दोस्त हूँ शायद बस कहने के लिए क्योंकि उसे ना मेरा जन्मदिन याद रहता है, ना ही हम याद रहते हैं लेकिन जब बात होती हैं तो इतना बोलता है जैसे हर दिन वो मुझसे ही बात करता हो। अरे ये हूनूर है उसकी,वो जिससे मिलता सबको अपना बना लेता है फिर भी बेचारा अभी तक कुवारा था लेकिन बिहार की ही एक प्यारी सी लड़की उसको मिल ही गई और दोनों अभी साथ में काम भी करते हैं व शादी भी जल्द करने वाले है। इसलिए तो वो बिहार आ रहे हैं और मुझसे दोनों झूठ बोले कि मै आपसे मिलने आ रहा हूँ। सच बताती हूँ ये लड़के ना, बहुत झूठ बोलते हैं। खैर, फाइनली पाँच सालों के बाद हम लोग मिलने वाले थे और सारी तैयारियाँ हो चूँकी थी। क्योंकि सारी तैयारियाँ मुझे ही करनी थी उन्हें तो बस आना था। दिल्ली से पटना तक की फ्लाइट से आना था और हमलोग पटना में मूवी व घूमने का प्लान बनाए थे। दिल्ली से निकलते वक्त दोनों मियाँ - बीबी में झगड़ा हो गया। वजह, तो मुझे भी नहीं पता था और मैं बेचारी भोली-भाली एयरपोर्ट पर इंतजार कर रही थी कि अब वो लोग आएंगे। मै लगातार उन दोनों को फोन कर रही थी और दोनों में से कोई भी फोन भी नहीं उठा रहे थे। बेचारी मैं सुबह लेकर शाम तक बस इंतजार ही करती रह गई। मूवी की टिकट, घूमने के लिए गाड़ी और बाकि का अरेंजमेंट, रहने-खाने सब बर्बाद हो चुका था। लेकिन अभी तक दोनों का काँल नहीं आया तो परेशान होकर मैं मुजफ्फरपुर लौट आई क्योंकि मै करती भी तो क्या। मेरे पास और किसी का नबंर था भी नहीं कि पता लगाऊँ आखिर दोनों आए क्यों नहीं। अगले दिन दोनों मियाँ-बीबी का काँल आया और दोनों अपनी-अपनी बातें बताए और मैं एक अच्छी सलाहकार होने के नाते दोनों के बीच सुला करा दी। कल तक जो दोनों छोटी सी बात पर झगड़ रहे थे अब दोनों के बीच में सब कुछ ठीक हो गया। दोनों फिर से प्यार से रहने लगे लेकिन उन्होंने जो मेरा एक दिन का समय बर्बाद किया उसका क्या ? मैं हाथ जोड़कर प्रार्थना करती हूं ऐसे मियां बीवी से कि कृपया यात्रा करने से पहले कोई आपसी बातचीत ना करें क्योंकि आपकी इस बातचीत में अक्सर झगड़ा हो जाता है तो कृपया झगड़ा ना करें यात्रा को अच्छे से करें और घूमने के बाद जब वापस जाएं घर में झगड़ा करें। ये मियाँ -बीबी भी ना... बोलते हुए मैं हँस पड़ी।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

–सम्पादक

मुख्यमंत्री साय ने किया भाजपा जिला कार्यालय के नए भवन का भूमिपूजन

दो करोड़ की लागत से बनेगा हाईटेक कार्यालय,पार्किंग समस्या से मिलेगी राहत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सोमवार को अंबिकापुर पहुंचे और भाजपा जिला कार्यालय के नवीन भवन का भूमिपूजन किया। लगभग दो करोड़ रुपये की लागत से हाईटेक सुविधाओं से युक्त कार्यालय का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान भाजपा कार्यालय अब छोटा पड़ रहा है और शहर के बीच स्थित होने के कारण पार्किंग की समस्या बनी रहती थी। नया भाजपा जिला कार्यालय राजमोहिनी भवन के पीछे स्थित खुले स्थान पर बनाया जाएगा। भूमिपूजन के दौरान विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर पंडितों द्वारा शंखनाद किया गया और हनुमान चालीसा का पाठ हुआ। मुख्यमंत्री साय ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि भाजपा का वर्तमान कार्यालय समय और कार्यकर्ताओं की संख्या के अनुसार छोटा पड़ गया था। नए भवन के निर्माण से पार्किंग समस्या से मुक्ति मिलेगी और कार्यकर्ताओं को बेहतर सुविधाएं

उपलब्ध होंगी। इससे पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय कांग्रेस के लोग अटल बिहारी वाजपेयी को चिढ़ाते थे,जब भाजपा के केवल दो सांसद थे,लेकिन आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए भारत का निर्माण कर रहे हैं–ऐसा भारत जो किसी को छेड़ता नहीं, लेकिन कोई छेड़े तो छोड़ता भी नहीं।

मोदी गारंटी के वादों को किया पूरा : मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव में किए गए मोदी गारंटी के अधिकांश वादों को सरकार ने पूरा किया है। छत्तीसगढ़ में नई उद्योग नीति लागू की गई है। केंद्र का बजट देश के सुनहरे भविष्य के लिए बेहतर है,जिसमें स्वास्थ्य क्षेत्र पर विशेष फोकस किया गया है। उन्होंने बताया कि 23 फरवरी से छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र शुरू होगा और इस बार का बजट भी प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार नक्सलवाद के खिलाफ मजबूती से लड़ रही है और 31 मार्च तक नक्सलवाद के खात्मे का लक्ष्य रखा गया है। बस्तर में विकास की नई गंगा बहाई जाएगी।

सरगुजा की 14 सीटों का रिकॉर्ड बनाए रखने का आह्वान

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरगुजा संभाग में भाजपा ने 14 की 14 सीटें जीतकर रिकॉर्ड बनाया है,जिसे बनाए रखना जरूरी है। इसके लिए कार्यकर्ताओं से अपील की गई कि वे सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाएं और संगठन को मजबूत करें।

महाशिवरात्रि 2026 को निकलेगी भगवान शिव की ऐतिहासिक बारात

तैयारियों को लेकर श्री शिवशंकर कीर्तन मंडली की बैठक सम्पन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री शिवशंकर कीर्तन मंडली,केदारपुर द्वारा महाशिवरात्रि पर्व 2026 के अवसर पर भगवान शिव जी की ऐतिहासिक एवं भव्य बारात धूमधाम से निकाले जाने की तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में मंडली के सदस्यों का एक दल माँ गौरी मंदिर पहुंचा,जहां पारंपरिक विधि-विधान से श्री गौरीशंकर के विवाह का निमंत्रण पत्र आदान-प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि विगत 46 वर्षों से शिव मंदिर सहेली गली,केदारपुर से मंडली के तत्वावधान में भगवान शिव की आकर्षक बारात एवं शोभायात्रा परंपरागत रूप से निकाली जाती रही है। इस संबंध में सहेली गली स्थित शिव मंदिर परिसर के भजनाश्रम में मंडली अध्यक्ष राम परिखा पाण्डेय की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से मंडली के सम्माननीय सदस्य संजय कुमार मिश्रा एवं भोलानाथ विश्वकर्मा को संयुक्त रूप से कार्यक्रम प्रभारी नियुक्त किया गया। कार्यक्रम प्रभारियों ने बताया

कि दिनांक 15 फरवरी 2026 को महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान शिव की भव्य बारात एवं शोभायात्रा निकाली जाएगी। यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष बारात के क्रम में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि सबसे आगे वरिष्ठ सदस्यों की अगुवाई में भगवान भोलेनाथ का रथ रहेगा, इसके पश्चात प्रसाद वाहन एवं कीर्तन मंडली का रथ तथा अंत में आधुनिक वाद्ययंत्र (डीजे) सम्मिलित रहेंगे। बारात की शोभा बढ़ाने हेतु प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शहर के केनाबांध,मायापुर,काली मंदिर सहित अन्य मंडलियों को आमंत्रित किया जाएगा।

3 साल से अलग रह रहे पति पत्नी के रिश्तो मे परिवार परामर्श केंद्र ने डाली जान,सारे गीले शिकवे किये दूर,आपसी सहमति से दोनों साथ रहने हुए राजी

पति-पत्नी के टूटते रिश्ते को बचाने महिला थाना प्रभारी की कॉउंसलिंग का हुआ असर,03 साल बाद पति पत्नी हुए फिर से एक...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

आवेदिका रेनु गुप्ता साकिन सीतापुर जिला सरगुजा की शादी दिनांक 25/11/22 को राहुल गुप्ता निवासी ग्राम झलमला बालोद जिला बालोद के साथ बालोद में सामाजिक रीति रिवाज से सम्पन्न हुई थी। आवेदिका का पति राहुल गुप्ता वर्तमान में तहसीलदार के पद पर जगदलपुर में पदस्थ हैं। शादी के बाद आवेदिका अपने पति के साथ व ससुराल में लगभग 50 दिन ही रही थी कि पति पत्नी के बीच आपसी पारिवारिक संबंध खराब हो गये इसके बाद दिनांक 14/01/23 से रेनु गुप्ता अपने मायके सीतापुर में रह रही है। आपसी संबंध खराब होने से राहुल गुप्ता अपने पत्नी रेनु गुप्ता को साथ रखने से पूर्णतः इंकार कर दिया था किन्तु रेनु गुप्ता अपने पति के साथ रहना चाहती थी इसलिए कुटुम्ब न्यायालय अम्बिकापुर में पारिवारिक दाम्पत्य हेतु प्रकरण दर्ज कराई जो प्रकरण न्यायालय से खारिज हो

गया अन्ततः आवेदिका रेनु गुप्ता अपने पति राहुल गुप्ता एवं पति के अन्य रिश्तेदार के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कराने हेतु दिनांक 01/10/25 को महिला थाना अम्बिकापुर में शिकायत पत्र प्रस्तुत की थी,वरिष्ठ अधिकारियो के दिशा निर्देशन मे महिला थाना अंतर्गत पुलिस परिवार परामर्श केंद्र मे विवाद की स्थिति मे आए जोड़ो के मध्य कॉउंसलिंग कराकर विवादों का स्थाई समाधान करने के दिशा निर्देश दिए गए थे। थाना अम्बिकापुर में शिकायत प्राप्त होने पर गंभीरता से लेते हुये आवेदिका रेनु गुप्ता एवं अनावेदक तहसीलदार राहुल गुप्ता एवं दोनों पक्षों के परिजनों की उपस्थिति में महिला थाना में काउंसलिंग कर दोनों पक्षों को समझाईस देकर उनके बीच पारिवारिक संबंध पुर्नस्थापित करने का बहुत प्रयास किया गया किन्तु प्रथम काउंसलिंग में ही अनावेदक राहुल गुप्ता पत्नी रेनु गुप्ता को स्पष्ट रूप से नहीं रखने की बात बोलकर साथ ले जाने से इंकार कर दिया जो दोनों के रिश्ते लगभग समाप्त हाने की स्थिति में था लेकिन महिला थाना प्रभारी सुनीता भारद्वाज एवं काउंसलिंग टीम के द्वारा लगातार प्रयास करते हुये पुनः दिनांक 31/01/26 को दोनों पक्षों को थाना उपस्थित कर काउंसलिंग किया और अनावेदक पक्ष को समझाईस दिया गया तब अनावेदक राहुल गुप्ता अपनी पत्नी को साथ रखने हेतु सहमत होने पर दोनों पक्षों में आपसी समझौता कराया गया। पढे लिखे शिक्षित परिवार के पति पत्नी के आपसी रिश्ते जो लगभग पूर्णतः टूट चुका था महिला थाना में कांउसलिंग के फलस्वरूप पति पत्नी के रिश्ते को जोडकर दिनांक 31/01/26 को ही आवेदिका रेनु गुप्ता एवं उसके पति राहुल गुप्ता को एक साथ रहने हेतु परिवार जनों के समक्ष जगदलपुर रवाना किया गया।

दिनदहाड़े तीन कमरों के ताले तोड़े,20 हजार की चोरी

एक ही परिसर में रह रहीं तीन युवतियां बनीं निशाना,शहर में बढ़ती चोरी से दहशत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

शहर में सोमवार दोपहर चोरों ने एक ही परिसर में स्थित तीन कमरों के ताले तोडक़र करीब 20 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। जानकारी के अनुसार रामानुजगंज निवासी विनोद गुप्ता का मकान अंबिकापुर के देवीगंज मार्ग से लगभग 50 मीटर भीतर,महाराजा गली के सामने स्थित एक छोटी गली में है। मकान के सामने दो दुकानें हैं,जबकि पीछे की ओर तीन अलग-अलग कमरे बने हुए हैं। इन कमरों में नागपुर (कोरिया) निवासी बालकुमारी, कुसमी निवासी सोनी सोनवानी और दरिमा निवासी शिवांगी अलग-अलग रहती हैं और शहर की विभिन्न दुकानों में काम करती हैं। प्रतिदिन की तरह सोमवार सुबह भी तीनों युवतियां काम पर चली गई थीं। दोपहर में जब बालकुमारी खाना खाने घर लौटी, तो उसने अपने कमरे का ताला टूटा हुआ पाया और अंदर का सामान बिखरा पड़ा था। कमरे में रखी नकद राशि गायब थी। इसके बाद उसने परिसर में रहने वाली अन्य युवतियों को फोन कर जानकारी दी। जब उनके कमरों की जांच की गई, तो वहां भी ताले टूटे हुए और सामान अस्त-व्यस्त मिला। दोनों अन्य कमरों से भी नकदी चोरी होने की पुष्टि हुई। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर पुलिस को अवगत कराया गया है। दिनदहाड़े हुई इस चोरी की घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भाई ने भाई के मकान को आग के हवाले किया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र के घुटरापारा में मुर्गा का दुकान चलाने वाले एक व्यक्ति के घर में उसका भाई ही आग लगा दिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी भाई के विरूद्ध अपराध दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक घुटरापारा में स्थित पुराने मकान में गंगाराम यादव पिता परगन राम मुर्गा दुकान संचालित करता है। 31 जनवरी को उसका भाई हृदय यादव मुर्गा काटने के उपयोग में आने वाले लकड़ी के गुटका को ले गया था। वापस करने के लिए कहने पर दोनों के बीच मनमुटाव की स्थिति बनी, और हृदय यादव ने उसके दुकान और मकान में आग लगा देने की धमकी दी थी। इसके बाद देर रात 10 बजे उसके पुराने घर में आग लगने की जानकारी पड़ोस में रहने वाले द्रोपदी यादव ने दी। जब वह मौके पर पहुंचा तो घर में रखा सिलाई मशीन,टुल्लू पंप,पाइप,पेटी में रखा सामान,अंकसूची,जमीन का कागजात,टीवी सहित पूरा सामने जलकर खाक हो गया था।

बतौली में कपड़े की दुकान में भीषण आग,30 लाख का माल खाक...

शॉर्ट सर्किट से आग की आशंका,एक घंटे में पाया गया काबू

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 02 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

बतौली थाना क्षेत्र के शांतिपारा में एक कपड़े की दुकान में भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में दुकान में रखा करीब 30 लाख रुपये का कपड़ा और पांच लाख रुपये से अधिक का फर्नीचर जलकर खाक हो गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार अंबिकापुर-सीतापुर मेन रोड पर स्थित अमित क्लॉथ स्टोर्स में रात करीब 2.30 बजे आग लगी। दुकान से धुआं और आग की लपटें निकलती देख हाइवे से गुजर रहे चारपहिया वाहन सवारों ने वाहन रोककर पास में रहने वाले परमेश्वर गुप्ता को जगाया और

घटना की जानकारी दी। इसके बाद दुकान संचालकों और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। आग इतनी तेज थी कि दुकान के दोनों शटर तपने लगे थे और लपटें बाहर तक दिखाई दे रही थीं। फायर ब्रिगेड के पहुंचने तक आग ने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया था। राहत की बात यह रही कि दुकान से सटी किराना दुकान आग की चपेट में आने से बच गई। दुकान संचालक नवीन गुप्ता ने बताया कि वे रात करीब 9 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। उनका परिवार दुकान के पीछे बने मकान में ही रहता है। आशंका है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। उन्होंने बताया कि आगजनी में दुकान के अंदर बना कमरा भी धुएं से भर गया था, लेकिन समय रहते सूचना मिलने से आग घर तक नहीं फैल सकी। घटना के बाद संचालक का परिवार सदमे में है। फिलहाल बतौली पुलिस मामले की जांच कर रही है और आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 02 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

शहर के रिंग रोड स्थित नमनाकला में सोमवार की शाम एक सडक़ हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी थी। मृतक की पहचान प्रह्लाद सोनी (55 वर्ष), निवासी नमनाकला रिंग रोड के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार प्रह्लाद सोनी सोमवार शाम सीमेंट लोड कराकर बाइक से कहीं जा रहे थे। वे कॉर्मेल स्कूल के पास रिंग रोड पर डिवाइडर पार कर रहे थे,तभी गांधी चौक की ओर से आ रहे ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि प्रह्लाद सोनी ट्रक के पहिए के नीचे आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पतल भेजवाया। वहीं दुर्घटना के बाद चालक वाहन लेकर भाग रहा था। जिसे सूचना पर मणिपुर पुलिस ने बिलासपुर चौक के पास पकड़ लिया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

चिकित्सक के क्लीनिक का ताला तोडक़र चोरी,70 हजार का सामान पार,सीसीटीवी में कैद हुआ चोर,पुलिस तलाश में जुटी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 02 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

जायसवाल चित्र मंदिर गली में स्थित एक चिकित्सक के क्लीनिक का ताला तोडक़र चोरों द्वारा कंप्यूटर,प्रिंटर सहित अन्य सामान चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। चोरी गए सामानों की कीमत 60 से 70 हजार रुपये बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज खंगाला। जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत देवीगंज रोड स्थित चित्र मंदिर गली में डॉ. राहुल गुप्ता का क्लीनिक है। शनिवार शाम वे रोज की तरह क्लीनिक बंद कर कुछ दूरी पर स्थित अपने घर चले गए थे। रविवार को क्लीनिक बंद रहा। सोमवार सुबह करीब 11.20 बजे जब वे क्लीनिक पहुंचे और ताला खोलने लगे, तो दरवाजे की कुंडी

उखड़ी हुई मिली। अंदर जाने पर कंप्यूटर,प्रिंटर,सीपीयू,मॉनीटर, पुराना मोबाइल फोन, केबल और नए तारों का बंडल सहित अन्य सामान गायब था। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लिया। सीसीटीवी फुटेज में एक युवक रविवार रात 11.58 बजे क्लीनिक परिसर में प्रवेश करता दिखाई दे रहा है। 12.03 बजे वह दो पल्लों वाले लकड़ी के दरवाजे पर जोर से लात मारता है, जिससे कुंडी टूट जाती है। इसके बाद वह कंप्यूटर सहित अन्य सामान समेटकर बाहर निकल जाता है।

मॉल निर्माण के लिए की जा रही खुदाई...तीन मंजिला भवन गिरने के कगार पर, विजय मार्ग सील

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

शहर के संगम चौक में कॉम्प्लेक्स निर्माण के लिए की जा रही असुरक्षित गहरी खुदाई के चलते एक तीन मंजिला भवन गिरने के कगार पर आ गया। रविवार देर रात आसपास के लोगों को भूकंप जैसा झटका महसूस हुआ,जिसके बाद बाहर निकलने पर बगल में स्थित भवन में दरार और झुकाव नजर आया। सूचना मिलने पर पुलिस और नगर निगम का अमला मौके पर पहुंचा। कोतवाली पुलिस ने एहतियातन संगम चौक से विजय मार्ग की ओर जाने वाला रास्ता बैरीकेड लगाकर बंद करा दिया है। वहीं सुरक्षा कारणों से आसपास स्थित करीब एक दर्जन दुकानों को भी बंद कराया गया। संगम चौक में दिनेश कश्यप द्वारा कॉम्प्लेक्स निर्माण प्रस्तावित है। इसके लिए अंडरग्राउंड निर्माण हेतु मुख्य मार्ग से सटे भूखंड में गहरा गड्ढा खोदा गया, जिससे सटे डॉ. धनंजय प्रसाद का तीन मंजिला मकान प्रभावित हुआ है। यह मकान फिलहाल खाली है, क्योंकि परिवार रांची में निवासरत है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भारी वाहन गुजरने पर भवन हिलता हुआ महसूस हो रहा है। निर्माण स्थल पर मशीनों के अधिक उपयोग से स्थिति और गंभीर हो सकती है। फिलहाल भवन को

गिरने से बचाने के लिए क्रेन की मदद से मोटे एंगल का सहारा दिया जा रहा है। प्रशासन की निगरानी में सुरक्षा उपाय जारी हैं।

CMYK

भाजपा युवा मोर्चा सूरजपुर की जिला कार्यकारिणी घोषित

युवाओं को संगठन से जोड़कर जन-जन तक पहुंचेंगी भाजपा की नीतियां : देव गुप्ता

सूरजपुर,02 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय के मार्गदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष भारतीय जनता युवा मोर्चा राहुल योगराज टिकरिहा के निर्देशानुसार तथा भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी की सहमति से भारतीय जनता युवा मोर्चा सूरजपुर की जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है, जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष देव गुप्ता द्वारा घोषित इस नई कार्यकारिणी में संगठन को अधिक मजबूत, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से समर्पित कार्यकर्ताओं को विभिन्न दायित्व सौंपे गए हैं।

संगठन को मजबूती देने पर जोर

जिलाध्यक्ष देव गुप्ता ने बताया कि यह कार्यकारिणी युवाओं की ऊर्जा, विचार और संगठनात्मक क्षमता को एकजुट कर पार्टी के कार्यक्रमों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का कार्य करेगी। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

विशेष आमंत्रित सदस्य

विष्णु सोनी, अनुज साहु, रौशन गुप्ता, अमन तांजे, विकास तिवारी, नितिन साहु, गौरव शर्मा, रंजन सोनी, गुलशन साहु, आशिष साहू, आकाश सोनी, मनोज राजवाड़े, नवीन गोयल, रूपेश गुप्ता, कुलदीप दुबे, अजय ठाकुर, वीरेन्द्र राजवाड़े, ठाकुर दास, राजू साहु, छप्पन सिंह, मोहन देवांगन, तरुण साहु, राहुल तिवारी।

प्रचार-प्रसार विभाग

- प्रमुखः विशाल गुप्ता
- सहप्रमुखः बिजेन्द्र कश्यप, अंकित चौहान, सुजित मिश्रा

शासकीय योजना एवं स्वावलंबन

- प्रमुख (मंडल): राहुल साहा
- सहप्रमुखः उपेन्द्र यादव

नीति एवं अनुसंधान

- प्रमुखः पुनीत पाठक
- सहप्रमुखः अनुप जायसवाल

खेल एवं कला

- प्रमुखः किशन देवांगन
- सहप्रमुखः सुरेश सोनी

विधि एवं तकनीक

- प्रमुखः रितेश राजवाड़े
- सहप्रमुखः पवन बर्मन

कन्या शक्ति

- संयोजकः श्रीमती तुलसी चौधरी
- सहसंयोजकः श्रीमती नितिन गुप्ता,सुश्री सुहानी,श्रीमती मीना पैंकरा,सुश्री सृष्टि, श्रीमती स्वाती गुप्ता

उपाध्यक्ष

- अविनाश सहवाल,अभय तिवारी, पप्पू साहू,वेद प्रकाश सिंह

महामंत्री

- यशवंत सिंह,रूपेन्द्र कुशवाहा

कोषाध्यक्ष

- कोषाध्यक्षः राजू जायसवाल
- सहकोषाध्यक्षः विजय गुर्जर

मंत्री

- सत्यम विश्वकर्मा,सहीम अंसारी, सुजित सिंह,मित्तल पाण्डे,राहुल जायसवाल

मीडिया विभाग

- मीडिया प्रभारीः दीक्षित वर्मा
- सहमीडिया प्रभारीः अमित मित्तल

कार्यालय

- कार्यालय मंत्रीः सोनू साहू
- सहकार्यालय मंत्रीः विक्की सोनवानी

सोशल मीडिया

- प्रभारीः दिनेश यादव
- सहप्रभारीः जितेन्द्र शर्मा

आईटी सेल

- संयोजकः स्वामी कुमार
- सहसंयोजकः जॉनी साहू

प्रशिक्षण विभाग

- प्रमुखः अखण्ड प्रताप सिंह
- सहप्रमुखः रविन्द्र जायसवाल

युवाओं को मिलेगी नई दिशा

जिलाध्यक्ष देव गुप्ता ने कहा...कि नई जिला कार्यकारिणी संगठन विस्तार, युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने और भाजपा की नीतियों व विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में पूरी निष्ठा से कार्य करेगी,उन्होंने विश्वास जताया कि युवा मोर्चा सूरजपुर आने वाले समय में संगठनात्मक गतिविधियों, जनसंपर्क अभियानों और सामाजिक कार्यों के माध्यम से जिले में पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

विकसित भारत के निर्माण का बजट....वन विकास निगम अध्यक्ष रामसेवक पैकरा

भाजपा जिला कार्यालय में केन्द्रीय बजट 2026-27 का हुआ लाइव प्रसारण,बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता रहे मौजूद

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,02 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय छिंदडांड़, बैकुंठपुर में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केन्द्रीय बजट 2026-27 के बजट भाषण का लाइव प्रसारण गरिमामय वातावरण में देखा और सुना गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन विकास निगम अध्यक्ष रामसेवक पैकरा रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने की,इस अवसर पर भाजपा पदा धिकारियों,जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। सभी ने एकाग्रता के साथ बजट भाषण को सुना और इसके बाद बजट की प्रमुख घोषणाओं एवं दूरगामी प्रभावों पर चर्चा की।

'आत्मनिर्भरता ही अर्थव्यवस्था का मूल मंत्र': देवेन्द्र तिवारी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा...कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय बजट 2026-27 में ऐसे कई परिवर्तन और निर्णय किए गए हैं, जिनसे आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और देश की अर्थव्यवस्था को नई गति प्राप्त होगी, उन्होंने कहा कि सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि विकास का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे और यही सोच इस बजट में झलकती है।

'विश्वास के साथ विकसित भारत की ओर बढ़ रहा देश' : रामसेवक पैकरा

वन विकास निगम अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत अब पूरे आत्मविश्वास के साथ 'विकसित भारत' की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह बजट उसी विज़न को साकार करने वाला बजट है, उन्होंने कहा कि इस बजट में युवा शक्ति, विकास, गरीब, शोषित और वंचित वर्गों के कल्याण को केंद्र में रखा गया है, सरकार का संकल्प स्पष्ट है कि समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए और किसी को भी पीछे न छोड़ा जाए।

बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी रहे मौजूद

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष अशोक जायसवाल,बसंत राय,रविशंकर राजवाड़े, राजेश सिंह, चुन्नी पैकरा,जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा,जिला पंचायत उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेष शिवहरे, नगर पालिका अध्यक्ष अरुण जायसवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह,जनपद उपाध्यक्ष प्यारे साहू सहित अनेक वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे, इसके साथ ही जिला मंत्री शारदा गुप्ता, कृष्णावती यादव,सह कोषाध्यक्ष राजेन्द्र चक्रधारी, जिला कार्यालय मंत्री मंजू जिवनानी,जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े,सोशल मीडिया संयोजक जगनारायण साहू,सह मीडिया प्रभारी राकेश गुप्ता,जिला कार्यसमिति सदस्य मनोज गुप्ता सहित बड़ी संख्या में जिला पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष-महामंत्री,मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारी तथा भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संगठन में दिखा उत्साह और एकजुटता-

कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में बजट को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। वक्ताओं ने कहा कि यह बजट न केवल आर्थिक दृष्टि से मजबूत है, बल्कि सामाजिक संतुलन और समावेशी विकास का भी स्पष्ट संदेश देता है,कुल मिलाकर,भाजपा जिला कार्यालय बैकुंठपुर में आयोजित यह कार्यक्रम विकसित भारत के संकल्प को दोहराने और केन्द्रीय बजट 2026-27 के माध्यम से देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के विश्वास को और मजबूत करने वाला साबित हुआ।

संगठन कार्य के आगामी तीन माह की रणनीति बनकर तैयार

भाजपा के बड़े पदाधिकारी करेंगे बूथ प्रवास विकसित भारत,राम जी और बजट प्रस्तुतीकरण को लेकर गांव-गांव पहुंचेंगे कार्यकर्ता

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,02 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी जिला कोरिया द्वारा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से व्यापक सतत बूथ संपर्क एवं बूथ सशक्तिकरण अभियान की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। इसी कड़ी में भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में जिला स्तरीय बूथ प्रभारियों की घोषणा की गई। इस अभियान के अंतर्गत जिला पदाधिकारी,जिला कार्यसमिति सदस्य,जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारियों को बूथ सशक्तिकरण,संगठनात्मक संरचना और जनसंपर्क की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वास्तविक ताकत बूथ स्तर का कार्यकर्ता होता है...

जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि भाजपा की वास्तविक ताकत उसका बूथ स्तर का कार्यकर्ता है। बूथ, शक्ति केंद्र और मंडल स्तर पर यदि संगठन मजबूत रहेगा तो पार्टी को हर स्तर पर सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के कर्मठ, अनुशासित और समर्पित कार्यकर्ताओं के बल पर ही आज संगठन देश-प्रदेश में निरंतर आगे बढ़ रहा है,उन्होंने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भारत आज आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। केंद्र सरकार की योजनाएं गरीब,किसान,महिला,युवा और वंचित वर्ग तक सीधे पहुंच रही हैं। इसके विपरीत विपक्षी दल झूठ, भ्रम और अफवाहों के माध्यम से जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं, जिसे भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता तथ्य और सच्चाई के साथ जवाब देगा।

पन्ना प्रमुखों से संवाद करेंगे और घर-घर जाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएंगे : देवेन्द्र तिवारी ने बताया कि राष्ट्रीय नेतृत्व की मंशा के अनुरूप अब भाजपा के बड़े पदाधिकारी स्वयं बूथ प्रवास करेंगे, इस दौरान वे बूथ समितियों के साथ बैठक करेंगे, पन्ना प्रमुखों से संवाद करेंगे और घर-घर जाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएंगे। विशेष रूप से विकसित भारत, राम जी और हालिया बजट प्रस्तुतीकरण को लेकर गांव-गांव जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की बूथ सशक्तिकरण योजना के तहत प्रत्येक कार्यकर्ता को घर-घर पहुंचकर विपक्ष के हर षड्यंत्र को ध्वस्त करना है। भाजपा की विचारधारा, अनुशासन और सेवा भाव ही उसकी सबसे बड़ी पहचान है। यही कारण है कि पार्टी को लगातार जनता का विश्वास और समर्थन मिल रहा है, जिलाध्यक्ष ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है। चाहे किसान हों, महिलाएं हों, युवा हों या आदिवासी समाज-हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

पूर्ण निष्ठा और समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध

उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में जिला कोरिया का हर कार्यकर्ता संगठन के लिए पूर्ण निष्ठा और समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। आने वाले तीन महीनों की विस्तृत कार्ययोजना बूथ स्तर पर तैयार की गई है, जिसमें संगठनात्मक बैठकें, प्रशिक्षण कार्यक्रम, जनसंपर्क अभियान, लाभार्थी संपर्क और जनसंवाद प्रमुख रूप से शामिल होंगे,इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ने सभी नवनियुक्त बूथ प्रभारियों से आह्वान किया कि वे अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें, बूथ समितियों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखें और बूथ स्तरीय कार्यक्रमों को प्रभावी एवं सफल बनाएं। जिले के अनुभवी नेताओं को बूथ प्रभारी बनाकर संगठन ने यह संदेश दिया है कि अनुभव और सक्रियता के माध्यम से बूथ स्तर को और अधिक सशक्त किया जाएगा। कुल मिलाकर, भाजपा जिला कोरिया की यह रणनीति आने वाले महीनों में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने और आम जनता के बीच भाजपा की नीतियों व उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कोरिया : शैलेश गुप्ता के हाथों में केमिस्ट एसोसिएशन की कमान, नंद किशोर राजवाड़े बने सचिव....

होटल रामसेतु में उत्साह और गहमागहमी के बीच संपन्न हुआ जिला इकाई का चुनाव

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,02 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की जिला इकाई कोरिया के चुनाव रविवार को बैकुंठपुर स्थित होटल रामसेतु में भारी उत्साह, सक्रिय भागीदारी और हल्की चुनावी गहमागहमी के बीच संपन्न हुए। प्रदेश एवं संभाग स्तरीय पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत शैलेश गुप्ता को सर्वसम्मति एवं बहुमत के आधार पर जिलाध्यक्ष, जबकि नंद किशोर राजवाड़े को जिला सचिव चुना गया, चुनाव में जिले के लगभग सभी प्रमुख दवा व्यवसायियों ने भाग लिया,जिससे आयोजन स्थल सुबह से ही चर्चा,रणनीति और मतदान गतिविधियों का केंद्र बना रहा। निर्वाचन प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता और अनुशासन के साथ संपन्न कराया गया।

चुनावी प्रक्रिया में दिखा जोश और प्रतिस्पर्धा : निर्वाचन के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए दवा व्यवसायियों की बड़ी भीड़ मौजूद रही। पदों के लिए कई दावेदार मैदान में थे,जिससे चुनावी माहौल काफी रोचक और प्रतिस्पर्धात्मक रहा। हालांकि, प्रदेश पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ी और अंततः सर्वसम्मति व बहुमत के आधार पर नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया, प्रदेश एवं संभाग स्तर के पदाधिकारियों ने चुनाव प्रक्रिया पर सतत निगरानी रखते हुए निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित की, जिससे सभी सदस्यों में संतोष का वातावरण देखने को मिला।

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने साझा किया विजन : 'व्यापारियों का सम्मान मेरी पहली प्राथमिकता'-शैलेश गुप्ता (जिला अध्यक्ष) नवनिर्वाचित अध्यक्ष शैलेश गुप्ता ने कहा कि संगठन ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से खरा उतरने का प्रयास करेंगे, उन्होंने कहा कि जिले के दवा व्यवसायियों की समस्याओं का त्वरित समाधान, दवा व्यापार से जुड़े नियमों की जानकारी और विशेष रूप से ऑनलाइन फार्मेसी से उत्पन्न चुनौतियों के बीच स्थानीय केमिस्टों के हितों की रक्षा उनकी प्रमुख प्राथमिकता होगी,उन्होंने विश्वास जताया कि सभी सदस्यों को साथ लेकर संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा, संगठन की मजबूती और समन्वय पर रहेगा फोकस'-नंद किशोर राजवाड़े (जिला सचिव) नवनियुक्त सचिव नंद किशोर राजवाड़े ने कहा कि गहमागहमी के बीच मिली यह जिम्मेदारी उनके लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि संगठन के भीतर बेहतर समन्वय,पारदर्शिता और संवाद स्थापित करना उनका मुख्य लक्ष्य रहेगा। साथ ही वे प्रदेश संगठन और स्थानीय प्रशासन के बीच सेतु बनकर कार्य करेंगे, ताकि जिले के किसी भी दवा व्यवसायी को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

जीत के बाद स्वागत और बधाईयों का दौर : परिणाम घोषित होते ही समर्थकों और दवा व्यवसायियों में उत्साह की लहर दौड़ गई। फूल-मालाओं, मिठाइयों और आतिशबाजी के साथ नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत किया गया, इस अवसर पर उपस्थित प्रदेश और संभाग स्तरीय पदाधिकारियों ने नई कार्यकारिणी को बधाई देते हुए दवा व्यवसाय की गरिमा, नियमों के पालन और सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति प्रतिबद्ध रहने की शपथ दिलाई।

संभाग व प्रदेश स्तर का प्रतिनिधि मंडल रहा मौजूद

छत्तीसगढ़ केमिस्ट एंड डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल के सक्षम मार्गदर्शन में वर्तमान उपाध्यक्ष विनोद चंद्राकर एवं संगठन सचिव देवव्रत गौतम के प्रतिनिधित्व में तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने कोरिया जिला औषधि विक्रेता संघ का पुनर्गठन सर्वसम्मति से संपन्न कराया, विशिष्ट अतिथियों के रूप में बलरामपुर जिलाध्यक्ष अजय, सचिव द्वारिका नाथ पांडे तथा सरगुजा से शैलेन्द्र गुप्ता की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया।

'सरगुजा ओलम्पिक' का तिथिवार खेल कार्यक्रम जारी...3 एवं 4 फरवरी 2026 से होंगे आयोजित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

विकासखण्ड अंबिकापुर में आयोजित होने वाले विकासखण्ड स्तरीय सरगुजा ओलम्पिक के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का तिथिवार कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। प्रतियोगिताएं 3 एवं 4 फरवरी 2026 को आयोजित होंगी। आयोजन स्थल मुख्यतः पी.जी. कॉलेज ग्राउंड, गांधी स्टेडियम अंबिकापुर तथा सेंट जेवियर्स स्कूल ग्राउंड नवापारा निर्धारित किए गए हैं।

दिनांक 03 फरवरी 2026 (महिला वर्ग)- प्रातः 9:30 बजे से, एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं-100 मी., 200 मी., 400 मी. दौड़, लंबी कूद, ऊँची कूद, गोला फेंक,डिस्कस थ्रो,जेवलिन थ्रो एवं 4×100 मीटर रिले रेस आयोजित होंगी।

दोपहर 12:00 बजे से टीम खेल (केवल महिला वर्ग)- 17 वर्ष से कम (बालिका) एवं 17 वर्ष से अधिक (महिला) वर्ग में कबड्डी,खो-खो, व्हॉलीबॉल,बास्केटबॉल,फुटबॉल,तीरंदाजी,30 एवं 50 मीटर इंडियन राउंड,बैडमिंटन,कराटे एवं रस्साकस्सी प्रतियोगिताएं होंगी।

दिनांक 04 फरवरी 2026 (पुरुष वर्ग)- प्रातः 9:30 बजे से-एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं-100, 200, 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊँची कूद, गोला फेंक, भाला फेंक तथा 4×100 मीटर रिले रेस आयोजित होंगी। दोपहर 12:00 बजे से टीम खेल (केवल पुरुष वर्ग) 17 वर्ष से कम (बालक) एवं 17 वर्ष से अधिक (पुरुष) वर्ग में कबड्डी, खो-खो, व्हॉलीबॉल, बास्केटबॉल, फुटबॉल, रस्साकस्सी, तीरंदाजी, 30-50 मीटर इंडियन राउंड, बैडमिंटन एवं कराटे प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी।

CMYK

केंद्रीय बजट 2026-27 : कांग्रेस बनाम भाजपा

केंद्रीय बजट 2026-27 पर कोरिया-एमसीबी में तीखी सियासी प्रतिक्रियाएं

कांग्रेस ने बताया जनविरोधी, भाजपा ने कहा विकसित भारत की मजबूत नींव

कोरिया-एमसीबी से राजनीतिक विश्लेषण

जनविरोधी या विकसित भारत का रोडमैप?

-संवाददाता-
कोरिया/एमसीबी,02 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर कोरिया एवं एमसीबी जिले में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है, जहां कांग्रेस नेताओं ने बजट को गरीब, किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग विरोधी बताया है,वहीं भाजपा नेताओं ने इसे आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत-2047 की दिशा में ऐतिहासिक कदम करार दिया है, कुल मिलाकर, केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर कोरिया-एमसीबी में राजनीतिक मतभेद साफ दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस जहां इसे जनविरोधी और पूंजीपतियों का बजट बता रही है, वहीं भाजपा इसे विकसित भारत-2047 की दिशा में मजबूत और दूरदर्शी कदम मान रही है, आने वाले समय में इस बजट का वास्तविक असर आम जनता के जीवन में कितना दिखता है, यह देखना अहम होगा, कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जब तक किसान, मजदूर, युवा और मध्यम वर्ग को सीधी राहत नहीं मिलेगी, तब तक विकसित भारत केवल एक नारा बनकर रह जाएगा, केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर जहां भाजपा नेताओं ने इसे आत्मनिर्भर व विकसित भारत की मजबूत नींव बताया, वहीं कांग्रेस और विपक्षी नेताओं ने बजट को गरीब-किसान-मजदूर विरोधी करार दिया। बजट पर यह राजनीतिक बहस आने वाले समय में इसके वास्तविक प्रभावों से तय होगी।

कांग्रेस का दृष्टिकोणः आंकड़ों का बजट,जनता गायब

कांग्रेस नेताओं के अनुसार यह बजट जमीनी हकीकत से कटा हुआ है, उनका मुख्य तर्क है कि महंगाई,बेरोजगारी और किसानों की आय जैसे वास्तविक मुद्दों पर कोई ठोस समाधान नहीं दिया गया,कर्जमाफी,मनरेगा,एमएसपी की गारंटी जैसे विषयों पर सरकार मौन रही,शिक्षा,स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के लिए अपर्याप्त प्रावधान, बजट में बड़े उद्योगपतियों और कॉर्पोरेट हितों को प्राथमिकता,कांग्रेस का आरोप है कि सरकार विकसित भारत का नारा तो दे रही है,लेकिन जब तक गांव,किसान,मजदूर और मध्यम वर्ग मजबूत नहीं होंगे,तब तक यह नारा केवल भाषणों तक सीमित रहेगा, कांग्रेस के अनुसार यह बजट गरीब, किसान, महिला और युवा विरोधी है और इससे आम नागरिक पर आर्थिक बोझ और बढ़ेगा।

भाजपा का दृष्टिकोणः भविष्य की अर्थव्यवस्था की नींव

वहीं भाजपा नेताओं का कहना है कि यह बजट दीर्घकालिक सोच पर आधारित है, भाजपा के तर्कों के अनुसार इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग और ऊर्जा सुरक्षा से रोजगार सृजन, MSME, स्टार्टअप और मेक इन इंडिया से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा, टियर-2 और टियर-3 शहरों पर फोकस से कोरिया जैसे जिलों को सीधा लाभ,आयकर राहत से मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति में वृद्धि, कृषि, महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास के जरिए समावेशी विकास, भाजपा इसे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने वाला बजट मानती है और दावा करती है कि इसके सकारात्मक परिणाम आने वाले वर्षों में दिखेंगे।

असली फर्क कहां है?

इस पूरे विमर्श में सबसे बड़ा अंतर दृष्टिकोण का है कांग्रेस तत्काल राहत और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है, भाजपा लंबी अवधि के आर्थिक ढांचे और विकास पर जोर दे रही है,जहां कांग्रेस को बजट में आम आदमी की सीधी राहत नजर नहीं आती, वहीं भाजपा मानती है कि बुनियादी ढांचा और निवेश ही स्थायी रोजगार और समृद्धि की कुंजी हैं।

कांग्रेस नेताओं की तीखी आलोचना

दुर्भाग्यपूर्ण बजट-

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने बजट को दिशा-विहीन बताते हुए कहा कि इसमें गरीब, किसान, महिला, SC-ST-OBC वर्ग के लिए कोई ठोस राहत नहीं है, उन्होंने ऋणमाफी,मनरेगा,रोजगार और शिक्षा सब्सिडी पर चुप्पी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और इसे पूंजीपतियों के पक्ष में तैयार बजट करार दिया।

उद्योगपतियों के लाभ का बजट

बैकुंठपुर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता योगेश शुक्ला ने कहा कि यह बजट आम जनता की उम्मीदों से कोसों दूर है, महंगाई,बेरोजगारी और किसानों की आय जैसे मूल प्रश्नों पर सरकार विफल रही है, उन्होंने कहा कि शिक्षा,स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण की अनदेखी कर बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाया गया है।

ग्रामीण जनता के निराश का बजट

बैकुंठपुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बिहारी लाल राजवाड़े ने बजट को गरीब, किसान और मजदूर विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण संकट,कर्जमाफी और मनरेगा जैसे विषयों को नजरअंदाज कर सरकार ने ग्रामीण जनता को निराश किया है।

आम जनता के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं बजट मे

पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जायसवाल ने कहा कि यह बजट आंकड़ों और दावों का दस्तावेज है,जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य,शहरी विकास और रोजगार के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं है।

जनविरोधी बजट

एमसीबी कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने बजट को जनविरोधी बताते हुए कहा कि यह गरीब, किसान,महिला और युवा विरोधी है। उन्होंने कहा कि एमएसपी की गारंटी,कर्जमाफी और रोजगारपरक योजनाओं पर सरकार पूरी तरह मौन है।

नई योजना के अभाव वाला बजट

जयचंद सोनपाकर (अधिवक्ता) ने बताया की बजट को गांव, गरीब और किसानों के लिए निराशाजनक बताया,गौठान, स्वयं सहायता समूह और ग्रामीण रोजगार से जुड़ी किसी नई योजना के अभाव पर चिंता जताई।

आम जनता के साथ छलावा वाला बजट

वेदांती तिवारी (कांग्रेस नेता) ने बताया की बजट को आम जनता के साथ छलावा बताया और कहा कि इससे गरीब व मध्यम वर्ग निराश हुआ है। किसानों और मजदूरों के लिए कोई ठोस राहत नहीं दी गई।

बजट में आम जनता की रोजमर्रा की जरूरतों से कोई सरोकार नहीं

के. डमरू रेड्डी (पूर्व महापौर) उन्होंने कहा कि बजट का आम जनता की रोजमर्रा की जरूरतों से कोई सरोकार नहीं है, तेल, नमक, शिक्षा, रोजगार, बस-ट्रेन जैसे मुद्दों से ध्यान हटाकर शब्दों का मायाजाल रचा गया है।

भाजपा नेताओं ने बजट को बताया ऐतिहासिक और दूरदर्शी

यह बजट आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव

यह बजट आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींवः श्याम बिहारी जायसवाल (छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य मंत्री)- ने बजट को आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव बताया,उन्होंने कहा कि घरेलू मैन्युफैक्चरिंग और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती,रोजगार,कृषि उत्पादकता और क्रय शक्ति बढ़ाने पर जोर, लगभग 7 प्रतिशत आर्थिक विकास दर से गरीबी में कमी,10,000 करोड़ रुपये की बायो-फार्मा शक्ति परियोजना से भारत वैश्विक जैव-फार्मा हब बनेगा, यह बजट भविष्य की आर्थिक और स्वास्थ्य संरचना को मजबूत करेगा।

जनहितैषी और सर्वसमावेशी बजटः

चम्पा देवी पावले (एमसीबी भाजपा जिला अध्यक्ष)- ने बजट को जनहितैषी और सर्वसमावेशी बताया, उन्होंने कहा कि बजट में किसानों की आय बढ़ाने के उपाय, युवाओं के लिए रोजगार व स्वरोजगार,महिलाओं के सशक्तिकरण की योजनाएं,शिक्षा-स्वास्थ्य बजट में वृद्धि, सड़क, रेल, आवास व इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर, स्टार्टअप और MSME को प्रोत्साहन,मध्यम वर्ग को आयकर राहत से हर परिवार के लिए आय और अवसर के नए संसाधन उपलब्ध होंगे।

केंद्रीय बजट 2026-27 विकसित भारत की मजबूत नींवः

विधायक भईया लाल राजवाड़े- बैकुण्ठपुर विधायक भईया लाल राजवाड़े ने केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे दूरदर्शी, जनहितैषी और विकसित भारत की दिशा में मजबूत कदम बताया, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट गरीब,किसान,युवा,महिला और मध्यम वर्ग के समग्र विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है,बजट में बुनियादी ढांचे के विस्तार, रोजगार सृजन, कृषि विकास, शिक्षा,स्वास्थ्य और तकनीकी सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया है,विधायक राजवाड़े ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर,एमएसएमई, स्टार्टअप, ऊर्जा सुरक्षा और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने वाले प्रावधान आत्मनिर्भर भारत को नई मजबूती देंगे। टियर-2 और टियर-3 शहरों पर विशेष फोकस से छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को सीधा लाभ मिलेगा और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे, उन्होंने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का स्पष्ट रोडमैप है, जिसका लाभ आने वाले वर्षों में आम नागरिकों को प्रत्यक्ष रूप से मिलेगा।

शारदा गुप्ता (अध्यक्ष, चेम्बर ऑफ कॉमर्स कोरिया)

शारदा गुप्ता ने बजट को विकसित भारत-2047 की दिशा में ऐतिहासिक और सर्वसमावेशी बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट युवा,किसान,महिलाएं, व्यापारी, कर्मचारी,SME और मध्यम वर्ग सहित समाज के सभी वर्गों का संतुलित रूप से ध्यान रखता है।

केंद्रीय बजट 2026-27 विकसित भारत की दिशा में मजबूत कदमः देवेंद्र तिवारी

कोरिया भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे दूरदर्शी, विकासोन्मुख और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव बताया, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने वाला है, बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास,रोजगार सृजन, कृषि सशक्तिकरण,एमएसएमई,स्टार्टअप और तकनीकी नवाचार को प्राथमिकता दी गई है, देवेंद्र तिवारी ने कहा कि टियर-2 और टियर-3 शहरों पर विशेष फोकस से कोरिया जैसे जिलों को सीधा लाभ मिलेगा। सड़क, रेल, डिजिटल कनेक्टिविटी,ऊर्जा सुरक्षा और मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलने से स्थानीय स्तर पर उद्योग और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे,उन्होंने बताया कि बजट में मध्यम वर्ग को आयकर राहत, किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास,महिलाओं के सशक्तिकरण तथा युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है,यह बजट सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की भावना को साकार करता है और देश को आत्मनिर्भर व आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है।

मोहित पैकरा : जिला पंचायत अध्यक्ष, कोरिया (भाजपा)-

कोरिया जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा ने केंद्रीय बजट 2026-27 को ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भर भारत को मजबूती देने वाला बजट बताया,उन्होंने कहा कि बजट में पंचायतों,ग्रामीण सड़कों,आवास,जल जीवन मिशन,कृषि और रोजगार सृजन पर विशेष फोकस किया गया है,जिससे गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त बनेगी।

गायत्री सिंह : नगर पंचायत अध्यक्ष, पटना (भाजपा)

नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह ने बजट को महिला, युवा और शहरी-ग्रामीण संतुलित विकास का दस्तावेज बताया, उन्होंने कहा कि स्वच्छता,आवास,पेयजल,सड़क,स्ट्रीट लाइट और नगरीय अधोसंरचना से जुड़े प्रावधानों से छोटे नगरों को नई गति मिलेगी। महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार योजनाएं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएंगी।

शैलेष शिवहरे- पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष, बैकुंठपुर (भाजपा)

पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने केंद्रीय बजट को विकसित भारत-2047 का मजबूत रोडमैप बताया, उन्होंने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर,शहरी विकास,डिजिटल कनेक्टिविटी,एमएसएमई और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने से नगरों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मध्यम वर्ग को आयकर राहत और स्टार्टअप प्रोत्साहन से आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी।

रेलवे ट्रैक निर्माण सामग्री गबन मामले में कोरबा पुलिस की कार्रवाई

-संवाददाता-
कोरबा,02 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। गेवरा रोड-पेंड्रा रोड के बीच नई विद्युतीकृत डबल रेलवे लाइन निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री के गबन मामले में कोरबा पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई की है। शिवाकृति इंटरनेशनल लिमिटेड की शिकायत पर थाना कटघोरा में अपराध दर्ज कर जांच की गई। जांच में सामने आया कि यह मामला बाहरी लूट नहीं, बल्कि कंपनी के कर्मचारियों द्वारा पद का दुरुपयोग कर की गई आंतरिक गबन का है। पुलिस ने जेसीबी ऑपरेटर तेजबहादुर पटेल और राहुल सिंह मरकाम को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

छत्तीसगढ़ शासन,जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता,जल संसाधन संभाग क्र. 2, रामानुजगंज
जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.costate.gov.in
निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 05.12.2025 (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
184615	14/ब.ले.लि /2025-26 दिनांक 30.01.2026	कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी, उपसंभाग, वाड्रफनगर एवं सिंचाई कालोनी वाड्रफनगर का निर्माण कार्य।	295.08	द्वितीय आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 06.02.2026, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।
नोट-3. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
4. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ. आर. दिनांक 01.08.2010 (संशोधित 22.08.2022) के अनुसार है।
कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र. 2. रामानुजगंज जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.) कृते मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार, जल संसाधन विभाग अंबिकापुर,सरगुजा (छ.ग.)
जी नंबर-252606395/4

न्यायालय,अपर कलेक्टर,अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ0ग0
//ईश्तहार/सूचना पत्र//
राजस्व अपील प्रकरण क्रमांक 202308021000013/77/ब-121/2022-23
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के अपील प्रकरण कमांक 202308021000013/77/-121/2022-23 में अपीलार्थी/आवेदक अमरनाथ आ0 मानसाय एवं अन्य 03 निवासी ग्राम करांकी, थाना तहसील लुण्ड्रा, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा छ0ग0राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के तहत् ग्राम करांकी तहसील लुण्ड्रा जिला सरगुजा छ0ग0 स्थित भूमि पर अनावेदकगण के द्वारा अपने नाम पर भूमि दर्ज कराने के विरूद्ध इस न्यायालय में पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसमें अनावेदक 1. विजय कुमार गुप्ता आ0 रामधन गुप्ता निवासी विश्वास अधिवक्ता नोटरी के घर के बगल में फुन्दुरडिहारी, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0, 2. संजय कुमार गुप्ता आ0 स्व0 रामधन गुप्ता, निवासी बाबरा गैरेज के पीछे, नमनाकला, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0, 3. इन्दु गुप्ता पत्नी कमलेश गुप्ता निवासी ग्राम बलंगी, तहसील वाड्रफनगर, जिला बलरामपुर छ0ग0, 4. कुसुम गुप्ता पत्नी ओम प्रकाश, निवासी रामानुजगंज, जय स्तंभ चौक जिला बलरामपुर छ0ग0, 5. सरजू गुप्ता आ0 रामधन गुप्ता निवासी देवीगंज रोड, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0, 6. अ- महेन्द्र गुप्ता आ0 जमुना प्रसाद एवं 6 ब - राजेन्द्र गुप्ता आ0 जमुना प्रसाद निवासी ग्राम संगम चौक नगर अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0, 7. भैयालाल सोनी आ0 स्व0 लालचंद सोनी, 8. हीरालाल सोनी आ0 स्व0 लालचंद सोनी, 9. जवाहर सोनी आ0 लालचंद सोनी निवासी सदर रोड, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 को अनावेदक पक्षकार बनाया गया है। जिसमें इनकी उपस्थिति अनिवार्य है।
उक्त पुनरीक्षण प्रकरण की अगामी सूनवाई तिथि दिनांक 16/02/2026 को निर्धारित की गई है।
निर्धारित तिथि को आप स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित हो कर अपना पक्ष प्रकरण में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित सुनवाई तिथि के बाद इस प्रकरण में आपकी पक्ष सुनवाई का अवसर समाप्त कर दी जावेगी। दिनांक 28/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी।
सील
अपर कलेक्टर
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,(छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202510020700012
विषय:-ब-121 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन्:-2025-26
भिटठीकला प.ह.न.00031 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार - रामभरोष,
अनावेदक पक्षकार छ0ग0शासन,
ईश्तहार
आवेदक रामभरोष आ0 स्व0 शिवप्रसाद व अन्य, निवासी ग्राम भिट्ठीकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि ग्राम भिट्ठीकला स्थित भूमि खसरा नंबर 1386 रकबा 1.254 हे0 भूमि का पट्टा आवेदक क्रमांक-1 से 03 के पिता एवं आवेदिका क्रमाकं-04 के पति के नाम पर जारी हुआ था। उक्त भूमि का ऋण पुस्तिका भी जारी किया गया है. किन्तु वर्तमान राजस्व अभिलेखों में खसरा नंबर 1386 रकबा 1.254 हे0 भूमि आवेदकगण के पिता के नाम पर दर्ज नहीं होने के कारण फौती नामांतरण की कार्यवाही नही हो पाई है। आवेदकगण के द्वारा आवेदित भूमि के राजस्व अभिलेखों में आवेदकगण का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जाँच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 20.02.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/01/2026 को जारी किया जाता है।
सील
उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202601020700150
विषय:-अ-6 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन्:-2025-26
गंगापुरखुर्द प.ह.न. 00021 [240/1 (0.11400)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार उमेश कुमार विश्वकर्मा,
अनावेदक पक्षकार - चमेली देवी,
ईश्तहार
आवेदक उमेश कुमार विश्वकर्मा आ0स्व) रामधार विश्वकर्मा व अन्य निवासी ग्राम गंगापुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम गंगापुरखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 240/1 रकबा 0.144 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध वसीयतनमा पत्र दिनांक 10.08.2022 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16.02.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने ज अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/01/2026 को जारी किया जाता है।
सील
उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.
रा0प्र0क्र0/....../अ-6/2025-26
ईश्तहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमृत नेल्लोर आ0स्व0 शिवलिंगम रूकमैया नैलोर निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के पिता शिवलिंगम रूकमैया नैलोर के स्वामित्व व अधिपत्य की मोहल्ला सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर स्थित भूखण्ड क्रमांक 675/2 678/3 रकबा क्रमशः 0.10, 0.10 एकड़ भूमि है। भूधारक शिवलिंगम रूकमैया नैलोर की मृत्यु दिनांक 28.02.1998 को हो गई है। अतः भूधारक शिवलिंगम रूकमैया की मृत्यु हो जाने उपरांत आवेदक द्वारा स्वयं को मृतक भूधारक के वैद्य वारिसान बताते हुए उक्त भूखण्ड से उनका नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ. ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 18/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा अत पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 16/01/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।
सील
नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

-संवाददाता-
सूरजपुर,02 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में अपना लगातार 9 वीं बार पूर्णकालीन केंद्रीय बजट प्रस्तुत किया, बजट पेश होते ही देश की राजनीति में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं,जहां भारतीय जनता पार्टी ने इसे विकसित भारत की मजबूत नींव बताया,वहीं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने बजट को जनविरोधी और देश विरोधी करार दिया,भाजपा नेताओं ने बजट को हर घर लक्ष्मी पहुंचे की अवधारणा से जोड़ते हुए कहा कि इसमें समाज के हर वर्ग–युवा,किसान,महिला,गरीब और मध्यम वर्ग–का ध्यान रखा गया है। वहीं कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि बजट में आम जनता,किसान,मजदूर और युवाओं के लिए ठोस राहत नहीं है,केंद्रीय बजट 2026 को लेकर राजनीतिक तस्वीर पूरी तरह दो ध्रुवों में बंटी नजर आई,भाजपा इसे विकसित भारत 2047 का रोडमैप बता रही है, कांग्रेस इसे जनता की उम्मीदों से दूर और जुमलों से भरा बजट करार दे रही है,अब आने वाले महीनों में बजट के प्रावधान जमीन पर कितना असर दिखाते हैं, यही तय करेगा कि यह बजट इतिहास में विकास का दस्तावेज बनता है या राजनीतिक बहस का विषय।

भाजपा नेताओं की प्रतिक्रियाएं...

केंद्रीय बजट 2026-27 जनहितैषी और महिला सशक्तिकरण की मजबूत नींवःलक्ष्मी राजवाड़े

छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने केंद्रीय बजट 2026-27 को समावेशी विकास, सामाजिक न्याय और महिला सशक्तिकरण की मजबूत नींव रखने वाला जनहितैषी बजट बताया, उन्होंने कहा कि यह बजट गरीब,किसान,युवा और महिलाओं को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है,शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्वास्थ्य से जुड़े प्रावधान देश के सर्वांगीण विकास को गति देंगे,मंत्री राजवाड़े ने प्रत्येक जिले में महिला छात्रावास निर्माण और लखपति दीदी योजना के विस्तार को महिलाओं के लिए सुरक्षित आवास व आजीविका के नए अवसर देने वाला बताया। साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था,स्वयं सहायता समूहों, स्टार्ट-अप और कौशल प्रशिक्षण को बढ़ावा मिलने से महिलाओं व युवाओं को सशक्त अवसर मिलेंगे, उन्होंने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ,सबका विकास,सबका विश्वास,सबका प्रयास के विजन को साकार करता है और विकसित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह बजट विकसित भारत की मजबूत नींवःविधायक भूलन सिंह मरावी बोले...

प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने केंद्रीय बजट 2026 को देश के सर्वांगीण विकास,आर्थिक मजबूती और जनकल्याण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया, उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट गरीब, किसान, युवा,महिला,मध्यम वर्ग और उद्यमियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, विधायक मरावी के अनुसार बजट में कृषि व ग्रामीण अर्थव्यवस्था,शिक्षा,स्वास्थ्य,आधुनिक अधो संरचना और रोजगार सृजन पर विशेष जोर दिया गया है। सड़क, रेल, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर,आवास और ऊर्जा क्षेत्र में किए गए प्रावधान देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे,उन्होंने कहा कि कौशल विकास,स्वरोजगार,स्टार्टअप और महिला सशक्तिकरण से जुड़े निर्णय सबका साथ,सबका विकास, सबका विश्वास की भावना को साकार करते हैं। यह बजट आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के लक्ष्य का स्पष्ट रोडमैप है,जिसका सकारात्मक प्रभाव आने वाले वर्षों में आम नागरिकों के जीवन स्तर पर दिखाई देगा।

'युवा शक्ति' को समर्पित बजट : देव गुप्ता

भारतीय जनता युवा मोर्चा सूरजपुर जिलाध्यक्ष देव गुप्ता ने कहा कि यह बजट अमृत पीढ़ी के सपनों को साकार करने वाला है, उन्होंने बताया कि शिक्षा से रोजगार और उद्यमिता के लिए उच्चस्तरीय समिति का गठन,15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में AVGC कंटेंट क्रिएटर लैब, 2030 तक 20 लाख नए पेशेवर तैयार करने का लक्ष्य,5 वर्षों में 1 लाख एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल्स का प्रशिक्षण,एआई और डिजिटल टेक्नोलॉजी पर विशेष जोर,उन्होंने कहा कि यह बजट युवाओं को रोजगार खोजने वाला नहीं,बल्कि रोजगार देने वाला बनाएगा।

सबका साथ-सबका विकास का बजटः रितेश गुप्ता

भाजयुमो के पूर्व प्रदेश महामंत्री रितेश गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 की थीम विकसित भारत है, इसमें गरीब,युवा,अन्नदाता और नारी शक्ति पर फोकस,आयकर सुधारों से मध्यम वर्ग को राहत,बुनियादी ढांचे में भारी निवेश,कृषि, निवेश,निर्यात और विनिर्माण को चार इंजन के रूप में मजबूत करना

आर्थिक मजबूती की स्पष्ट दिशाः बाबूलाल अग्रवाल

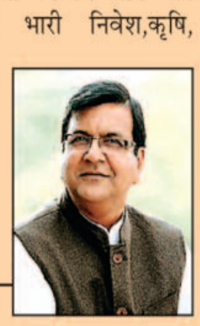

पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा एवं रेडक्रास सोसायटी चेयरमैन बाबूलाल अग्रवाल ने कहा कि बढ़ा हुआ पूंजीगत व्यय रोजगार और निवेश को गति देगा, कृषि, ग्रामीण विकास,शिक्षा,स्वास्थ्य और कौशल विकास के प्रावधान आत्मनिर्भर भारत को मजबूती देंगे।

मध्यम वर्ग और व्यापारियों को राहतःअजय अग्रवाल

पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा अजय अग्रवाल ने कहा कि महिला सशक्तिकरण, सामाजिक कल्याण और राजकोषीय अनुशासन बजट को भरोसेमंद बनाते हैं।

ऐतिहासिक और दूरदर्शी बजटः अरविंद मिश्रा

भाजपा मंडल अध्यक्ष अरविंद मिश्रा ने बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि हर जिले में कन्या छात्रावास कृषि,शिक्षा,स्वास्थ्य और विनिर्माण पर विशेष फोकस,भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मजबूत कदम

विकसित भारत की दिशा में अहम कदमः मुरली मनोहर सोनी

भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने कहा कि 12 लाख रुपये तक की आय पर टैक्स नहीं, मानक कटौती 75 हजार रुपये,वरिष्ठ नागरिकों को 1 लाख रुपये तक कर राहत, ईवी और इलेक्ट्रॉनिक्स सस्ते होंगे, राज्यों को 1.5 लाख करोड़ का ब्याज मुक्त ऋण, छत्तीसगढ़ के लिए कनेक्टिविटी,जनजातीय कल्याण और औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है।

सबका साथ-सबका विकास वाला बजटः प्रदीप द्विवेदी

भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी प्रदीप द्विवेदी ने केंद्रीय बजट 2026-27 को सबका साथ-सबका विकास के मंत्र पर आधारित बताते हुए इसे विकसित भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम कहा,उन्होंने बताया कि बजट की थीम विकसित भारत है,जिसमें युवा, गरीब, अन्नदाता (किसान) और नारी शक्ति पर विशेष फोकस किया गया है,नई आयकर व्यवस्था से मध्यम वर्ग को राहत,बुनियादी ढांचे में भारी निवेश से रोजगार सृजन,कृषि व ऊर्जा सुरक्षा से ग्रामीण समृद्धि तथा मेक इन इंडिया के जरिए विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने का प्रावधान किया गया है,प्रदीप द्विवेदी ने कहा कि यह बजट देश के सर्वांगीण विकास का स्पष्ट रोडमैप है, जो आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प को साकार करेगा।

केंद्रीय बजट 2047 के विकसित भारत की दिशा में मजबूत कदमः लाल साय सिंह पावले

भाजपा मंडल जरही के महामंत्री लाल साय सिंह पावले ने केंद्रीय बजट 2026-27 को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने की दिशा में मजबूत, दूरदर्शी और समावेशी कदम बताया, उन्होंने कहा कि बजट में गरीब कल्याण, शिक्षा,स्वास्थ्य, कृषि,रोजगार सृजन,बुनियादी ढांचा और ग्रामीण विकास पर विशेष फोकस किया गया है,जिससे अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचेगा,किसानों, युवाओं,महिलाओं और मध्यम वर्ग के लिए किए गए प्रावधान आर्थिक मजबूती को बढ़ाएंगे,लाल साय सिंह पावले ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर विकास से रोजगार के नए अवसर बनेंगे तथा स्टार्टअप,एमएसएमई और उद्यमिता को प्रोत्साहन मिलने से अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इस जनहितकारी बजट के लिए बधाई दी।

सबका साथ-सबका विकास वाला बजटः संदीप अग्रवाल

भाजपा जिला कोषाध्यक्ष एवं जिला संयोजक बजट संदीप अग्रवाल ने केंद्रीय बजट 2026-27 को सबका साथ-सबका विकास की भावना पर आधारित बताया,उन्होंने कहा कि बजट की मुख्य थीम 'विकसित भारत' है, जो समावेशी विकास,आर्थिक स्थिरता और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। बजट में युवा,गरीब, अन्नदाता (किसान) और नारी शक्ति के साथ बुनियादी ढांचा,रोजगार सृजन और कर सुधारों पर विशेष जोर दिया गया है,नई आयकर व्यवस्था के तहत मध्यम वर्ग को राहत, आयकर स्लैब के सरलीकरण तथा बुनियादी ढांचे में भारी निवेश से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे,उन्होंने बताया कि चार इंजन विकास मॉडल के अंतर्गत कृषि,निवेश,एआई आधारित नवाचार और निर्यात को मजबूत कर आत्मनिर्भर भारत और युवाशक्ति के सशक्तिकरण का लक्ष्य रखा गया है।

कांग्रेस का तीखा हमला

छत्तीसगढ़ को किया नजरअंदाजः रामकृष्ण ओझा

छत्तीसगढ़ टैक्स बार काउंसिल के प्रदेश उपाध्यक्ष रामकृष्ण ओझा ने कहा कि बजट में राज्य के लिए कोई विशेष पैकेज नहीं है, उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों के लिए एमएसपी नीति अस्पष्ट, महंगाई से राहत नहीं, छोटे व्यापारियों की अनदेखी गांवों के लिए योजनाएं नाकाफी

किसानों और मजदूरों के लिए कुछ नहींः विमलेश तिवारी

किसान कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष विमलेश तिवारी ने बजट को शेखचिल्ली के हसीन सपने बताया।

जुमलाबाजी का बजट : अश्विनी सिंह

पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अश्विनी सिंह ने कहा कि यह बजट आम आदमी की जेब मजबूत नहीं करता, बल्कि सिर्फ जुमलों का पुलिंदा है।

शहरी विकास नदारदः मनोज डालमिया

शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज डालमिया ने कहा कि शहरी क्षेत्रों के लिए कोई ठोस योजना नहीं है, सरकार केवल उद्योगपतियों को लाभ पहुंचा रही है।

किसान-मजदूर नाराज : जफर हैदर

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जफर हैदर ने कहा कि रोजगार, महंगाई और किसानों के मुद्दों पर बजट पूरी तरह विफल है।

छात्र और युवा उपेक्षितः आकाश साहू

एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू ने आरोप लगाया कि शिक्षा, बेरोजगारी और महंगी पढ़ाई पर बजट मौन है।

नीति और समाधान विहीन बजटः भगवती राजवाड़े

पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष भगवती राजवाड़े ने कहा कि बजट में गरीबी उन्मूलन, रोजगार और महिला कल्याण को लेकर ठोस घोषणाओं का अभाव है।

सीए प्रतिक्रियाएं सकारात्मक एवं विकासोन्मुख बजटः सीए अरुण गुप्ता

सीए अरुण गुप्ता ने केंद्रीय बजट 2026 को सकारात्मक और विकासोन्मुख बताया। उन्होंने कहा कि पूंजीगत व्यय व बुनियादी ढांचे के लिए बढ़ा आवंटन आर्थिक विकास को गति देगा, राजकोषीय घाटा कम करने का लक्ष्य वित्तीय अनुशासन को मजबूत करेगा,हालांकि वेतनभोगी और मध्यम वर्ग के लिए आयकर दरों में कोई बदलाव न होना निराशाजनक रहा,1 अप्रैल 2026 से लागू नया आयकर अधिनियम कर प्रक्रिया को सरल बनाएगा। रक्षा बजट, MSME,विनिर्माण व सेमीकंडक्टर उद्योग को बढ़ावा मिलने से रोजगार और जीडीपी में वृद्धि की संभावना है, STT बढ़ने से शेयर बाजार पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

उज्जवल भारत की नींव का बजटः सीए हिमांशु अग्रवाल

सीए हिमांशु अग्रवाल ने बजट को उज्जवल भारत की नींव बताया। उन्होंने कहा कि MSME सेक्टर, बायो-फार्मा और सेमीकंडक्टर निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा, कृषि व सुशासन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जाएगा, पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी की स्थापना, डायरेक्ट टैक्स कोड लागू होने से कर प्रणाली सरल होगी,MAT घटाकर 14 प्रतिशत किया गया है, ITR की तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 31 अगस्त की गई है, गंभीर बीमारियों की दवाओं पर कस्टम ड्यूटी कम होने से दवाइयां सस्ती होंगी, साथ ही कई उपभोक्ता वस्तुएं भी सस्ती होने की संभावना है।

अमिताभ बच्चन को नहीं बुलाया सर जी तो फिल्म से बाहर हुआ ये दिग्गज अभिनेता,खत्म हो गई थी दोस्ती

सिनेमा के एक दिग्गज अभिनेता जिन्हें एक फिल्म से सिर्फ इसलिए बाहर कर दिया गया था,क्योंकि उन्होंने अमिताभ बच्चन को सर जी नहीं बुलाया था। वह कभी अमिताभ के जिगरी यार हुआ करते थे...

क्या आपको यकीन होगा कि किसी अभिनेता को सिर्फ सर जी न बुलाने के लिए फिल्म से ही निकाल दिया गया हो? सिनेमा के एक दिग्गज अभिनेता के साथ ऐसा हुआ था। खुद उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि अमिताभ बच्चन को सर जी न बुलाने के लिए उन्हें फिल्म से ही बाहर कर दिया गया था।

इस अभिनेता के साथ अमिताभ बच्चन ने कई हिट फिल्में दी हैं। दोनों की जोड़ी ऑन-स्क्रीन खूब पसंद की गई। यही नहीं, ऑफ-स्क्रीन भी दोनों जिगरी दोस्त हो गए थे। मगर सर जी न बुलाने के लिए जब उन्हें फिल्म से बाहर किया गया,उसके बाद से ही दोनों की दोस्ती में दरार पड़ गई। फिर कभी उन्होंने एक-दूसरे से बात नहीं की। इस दिग्गज अभिनेता ने अमिताभ बच्चन की बेनाम,परवरिश,अमर अकबर एंथनी, मुकद्दर का सिकंदर और नसीब जैसी फिल्मों की स्क्रिप्ट भी लिखी है। यह अभिनेता कोई और नहीं बल्कि दिवंगत अभिनेता कादर खान थे।

अमिताभ को सर जी बुलाने से किया था इनकार

कादर खान ने एक इंटरव्यू में बताया था कि सांसद बनने के बाद अमिताभ बच्चन का बिहेवियर बिल्कुल बदल गया था। दिल ने फिर याद किया शो में कादर खानने कहा था-मैं अमित जी को अमित बोलता था तो प्रोड्यूसर ने मुझसे आकर कहा कि आप सर जी को मिला? मैंने बोला- कौन सर जी? वह बोला,आपको सर जी नहीं मालूम (हैरान होकर),यह (अमिताभ की ओर इशारा करते हुए),लंबा आदमी... अमित जी आ रहे थे हमारी तरफ। मैंने कहा,अरे यार वो तो अमित है,सर जी कब से हो गया। आपको उन्हें सर जी बुलाना है।

क्यों टूटी अमिताभ और कादर खान की दोस्ती?

कादर खान ने आगे बताया था कि सेट पर सभी ने अमिताभ बच्चन को सर जी बोलना शुरू कर दिया था लेकिन वह नहीं बोल पाए, क्योंकि वह अमिताभ को अच्छा दोस्त मानते थे। उन्होंने कहा था- सभी ने उन्हें सर जी बोलना शुरू कर दिया था लेकिन मेरे मुंह से निकला नहीं। उस सर जी का न निकलना,मगर मैं निकल गया फिल्म से। अब क्या,कोई आदमी अपने दोस्त को,अपने भाई को किसी और नाम से पुकार सकता है। नामुमकिन बात है ये। मैं नहीं कर सका वो, इसीलिए शायद मेरा उनसे राब्ता (कॉन्टैक्ट) नहीं रहा। इस वजह से मैं खुदा गवाह में नहीं था। स्क्रिप्ट लिखने के साथ-साथ कादर खान ने अमिताभ बच्चन के साथ कई फिल्मों में अभिनय भी किया है। दोनों की साथ में फिल्में सूर्यवंशम,हम और इन्कलाब थीं।

24 घंटे में मोहम्मद रफी ने की थी 5 गानों की रिकॉर्डिंग,इन अभिनेताओं की बने थे आवाज

वेटरन सिंगर मोहम्मद रफी हिंदी सिनेमा के सबसे शानदार फनकार के तौर पर जाने जाते थे। आज हम आपको उनसे जुड़ा एक रोचक किस्सा बताने जा रहे हैं,जब उन्होंने एक ही दिन में पांच गानों की रिकॉर्डिंग की थी।

मोहम्मद रफी ने 4 दशक के गायिकी के करियर में कई शानदार गीतों को अपनी आवाज दी थी। उनसे जुड़ा एक रोचक किस्सा आज हम आपको बताने जा रहे हैं, जब रफी साहब ने एक ही दिन में पांच गानों की रिकॉर्डिंग की थी। साल 1969 में उन्होंने ये कारनामा किया था।

हैरान करने वाली बात ये थी कि मोहम्मद रफी ने ये सभी गाने किसी एक नहीं बल्कि तीन अलग-अलग फिल्मों के लिए गाए थे। ऐसे में आइए जानते हैं कि वे कौन से गीत और कलाकार थे, जिनके लिए रफी साहब ने ये कारनामा किया था।

24 घंटे में गाए थे पांच गाने

आज के दौर में काम को लेकर सेलेब्स शिफ्ट टाइमिंग जैसे मुद्दों को लेकर काफी बहस करते हुए नजर आते हैं। लेकिन एक दौर वो भी था,जब फिल्म कलाकार एक दिन में कई अलग-अलग फिल्मों की शूटिंग करते थे। ठीक उसी तरह गायिकी के क्षेत्र में भी यही देखना को मिलता था और गायक एक दिन में कई गानों की रिकॉर्डिंग किया करते थे। मोहम्मद रफी ने भी ऐसा ही कारनामा 1969 में किया था, जिसके बारे में फेसबुक पेज फिल्मी ख्याल में विस्तार से जानकारी दी गई है।

दरअसल उस साल मोहम्मद रफी को दो महीने के लिए विदेश टूर पर जाना था और वह देश से बाहर जाने से पहले अपने सारे कमिटमेंट पूरा करना चाहते थे। इसके पीछे की वजह ये थी वह किसी भी निर्माता और संगीतकार का नुकसान नहीं करना चाहते थे। संगीतकार लक्ष्मीकांत और प्यारेलाल की जोड़ी के साथ रफी पांच गानों का कॉन्ट्रेक्ट साइन कर चुके थे।

जब उन दोनों को पता चला तो उन्होंने रफी साहब से गुजारिश की आपकी विदेश यात्रा से पहले हमारे पांच गानों की रिकॉर्डिंग होनी है। मोहम्मद रफी ने उन्हें जवाब दिया और कहा कि आप चिंता मत करिए मैं इन्हें पूरा करके ही विदेश जाऊंगा। इसके बाद गायक ने एक ही दिन में पांच गानों की रिकॉर्डिंग की।

इन फिल्म और अभिनेताओं के लिए गाए गाने

गौर किया जाए मोहम्मद रफी के उन पांच गानों की तरफ तो उनमें धर्मेंद्र,जीतेंद्र और राजेंद्र कुमार की फिल्मों के नाम शामिल रहे। जिसमें जीतेंद्र की फिल्म मां और ममता के दो गानों की रिकॉर्डिंग सबसे पहले की, वो सॉन्ग थे- रूत बेकरार है...और अपने नैनों को समझा दो...।

इसके बाद रफी साहब ने धर्मेंद्र की फिल्म मन की आंखें के दो गीत- दिल कहे रुक जा रे रुक जा...और टूटे जो बलाएं...। इसके बाद मोहम्मद रफी ने आखिरी गाना राजेंद्र कुमार की मूवी अनजान का टाइटल सॉन्ग-मैं राही अनजान राहों का... का रिकॉर्ड किया। लगातार 12 घंटे तक सिंगर ने इन पांचों गानों की रिकॉर्डिंग की थी

बॉलीवुड की फेवरेट मां थी बड़े पर्दे की पहली सुपरहीरो

उड़-उड़कर किया एक्शन, सुपरमैन बनकर मचाई थी खलबली

मलयालम सिनेमा में 'लोका चैप्टर 1' ने एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। यह फिल्म पहली महिला-प्रधान सुपरहीरो फिल्म के रूप में जानी जाती है और इसमें कल्याणी प्रियदर्शन ने मुख्य भूमिका निभाई है। फिल्म की नायिका के पास अद्भुत सुपरनैचुरल शक्तियां हैं और वह अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ती दिखाई देती है। इस फिल्म की लोकप्रियता अब भी बरकरार है। ओटीटी पर भी इसे काफी पसंद किया गया। मलयालम सिनेमा में इस फिल्म की सफलता ने स्पष्ट कर दिया है कि दर्शक अब महिला-प्रधान सुपरहीरो कहानियों को खुले दिल से स्वीकार करने को तैयार हैं। इसी कड़ी में जल्द ही मैडॉक फिल्म्स की महिला सुपरहीरो फिल्म 'शक्ति शालिनी' आने वाली है, जिसमें अनीता पड्डा मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी।

कौन थी बॉलीवुड की पहली महिला सुपरहीरो

लेकिन क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड में महिला सुपरहीरो की अवधारणा बिल्कुल नई नहीं है? इसके कई दशक पहले हिंदी सिनेमा की सदाबहार मां निरूपा रॉय ने स्क्रीन पर पहली महिला सुपरहीरो की भूमिका निभाई थी। बॉलीवुड के नेत्रहीन केप वाले हीरो और ष्ट्लद्ध के दौर से बहुत पहले और ऋतिक रोशन के 'कृष' के मास्क पहनने से पहले,हिंदी सिनेमा ने अपनी पहली सुपरमैन को देखा था और वह सुपरमैन कोई और नहीं, बल्कि निरूपा रॉय थीं।

बॉलीवुड की पहली महिला सुपरमैन

अमिताभ बच्चन के लिए स्क्रीन पर रोना या 'जय संतोषी मां' में दिव्य आशीर्वाद देने से पहले, निरूपा रॉय ने 1960 की फिल्म 'सुपरमैन' में सुपरमैन की भूमिका निभाई। इस फिल्म का निर्देशन मोहम्मद हुसैन और अनंत ठाकुर ने किया था और इसमें जयराज,हेलेन और टुनटुन जैसे सितारे भी मुख्य भूमिकाओं में थे। इस फिल्म में निरूपा रॉय ने बॉलीवुड की पहली महिला सुपरमैन के रूप में इतिहास रचा, जबकि हॉलीवुड में पहली फीचर-लेंथ सुपरमैन फिल्म 'सुपरमैन एंड मोल मैन' (1951) थी और सबसे प्रसिद्ध फिल्म 'सुपरमैन' (1978) में क्रिस्टोफर रीव ने अभिनय किया, हिंदी सिनेमा ने अपनी महिला सुपरहीरो को पहले ही स्क्रीन पर उतार दिया था।

सुपरनैचुरल शक्तियों वाली नायिका

फिल्म में निरूपा रॉय ने शांति नामक नायिका का किरदार निभाया, जो एक वैज्ञानिक की गोद ली हुई बेटी थी। शांति उस वैज्ञानिक द्वारा बनाई गई सीरम के जरिए उड़ने और अविनाशी बनने की क्षमता हासिल करती है। इसके बाद शांति ने सुपरहीरो बनकर उस डाकू को हराया, जो लोगों के लिए आतंक का कारण बना हुआ था। यह फिल्म किसी स्पैन्डेक्स सूट, लेजर आंखों या ष्ट्लद्ध विलेन के सहारे नहीं बनी थी। बल्कि यह पूरी तरह से सिंपल, लोकल और कहानी-केंद्रित सुपरहीरो फिल्म थी। शांति की बहादुरी और साहस दर्शकों के लिए प्रेरणा बन गई और यह साबित कर दिया कि महिला-प्रधान सुपरहीरो कहानी किसी नई अवधारणा की जरूरत नहीं थी।

खेल समाचार

अनाहत सिंह की बड़ी जीत

सीडब्ल्यूजी 2022 की स्वर्ण पदक विजेता को दी मात

वाशिंगटन,02 फरवरी 2026। भारत की उभरती हुई स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह ने वाशिंगटन में स्क्वैश ऑन फायर ओपन 2026 जीतकर अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब अपने नाम किया। अपना पहला प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन ब्रॉन्ज़-लेवल खिताब जीतने के लिए, उन्होंने टॉप-सीड और इंग्लैंड की 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट जॉर्जीना कैनेडी को हराया। यह पीएसए टूर पर उनका कुल 15वां खिताब है। अनाहत ने महिला सिंगल्स मुकाबले में 10वीं रैंक वाली जॉर्जीना को आसानी से हराया और 26 मिनट में 3-0 (12-10, 11-5, 11-7) से मैच जीतकर खिताब अपने नाम किया। दुनिया की 31वीं रैंक वाली इस स्टार को पहले राउंड में बाई मिला था और उन्होंने प्री-क्वार्टर में दक्षिण अफ्रीका की हेले वार्ड को हराकर अपने अभियान की शुरुआत की, जिसके बाद क्वार्टर-फाइनल में मिस्र की दूसरी सीड सना इब्राहिम और सेमीफाइनल में यूएसए की सबरीना सोभी पर बड़ी जीत हासिल करके खिताब मुकाबले में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले के पहले गेम में,अनाहत 8-10 से पीछे थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए लगातार चार पॉइंट हासिल किए और पहला गेम जीत लिया। 17 साल की अनाहत दूसरे गेम में 3-2 से पीछे हो गईं, लेकिन चार पॉइंट की एक और शानदार वापसी ने उन्हें गेम में वापस ला दिया,और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। तीसरे गेम में, भारतीय खिलाड़ी ने दो मिनट से भी कम समय में 5-1 की बढ़त बना ली और इंग्लिश खिलाड़ी को हराकर अपना पहला पीएसए ब्रॉन्ज़-लेवल खिताब जीत लिया। उन्होंने कहा,मैं बहुत खुश हूं। इस इवेंट में आने से पहले,मैंने कुछ हफ्ते पहले ब्रिटिश जूनियर ओपन खेला था, और मैंने बहुत अच्छा नहीं खेला था। मुझे पता था कि इन इवेंट्स के बीच मेरे पास ट्रेनिंग के लिए कुछ समय है,और मैंने अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए जितना हो सका उतना किया।

फॉर्मूला 1 रेस भारत में जल्द हो सकती है,एफआईए की तैयारी

नई दिल्ली,02 फरवरी 2026। युवा मामले और खेल मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, ग्रेटर नोएडा में फॉर्मूला 1 रेस जल्द ही वापसी कर सकती है। केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने हाल ही में ग्रेटर नोएडा में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट का दौरा किया, जिससे इंडियन ग्रां प्री को फिर से शुरू करने की संभावित योजनाओं का संकेत मिला है। इंडियन ग्रां प्री के आयोजन का मामला अभी कोर्ट में है,इसलिए मनसुख मंडाविया ने सुझाव दिया है कि जब तक कोई फैसला नहीं हो जाता,तब तक फॉर्मूला वन रेस के आयोजन का काम किसी इवेंट कंपनी को सौंप दिया जाए। एक जापानी कंपनी ने इस इवेंट की मेजबानी में दिलचस्पी दिखाई है। इंडियन ग्रां प्री पहले 2011 से 2013 तक बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजित की गई थी, जिसमें जर्मनी के सेबेस्टियन वेट्टेल ने रेड बुल रेसिंग के लिए तीनों एडिशन जीते थे।

पाकिस्तान ने टी 20 खेलने से किया मना

ग्रूप-स्टेज में ही बाहर होने का खतरा आईसीसी बैन लगा सकता है,भविष्य में मेजबानी मिलनी मुश्किल

इस्लामाबाद,02 फरवरी 2026। पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच खेलने से मना कर दिया। पाकिस्तान सरकार ने कहा कि उनकी टीम टूर्नामेंट खेलेगी,लेकिन भारत से नहीं भिड़ेगी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने कहा कि पीसीबी अपने फैसले पर फिर से विचार करे।

भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करने से पाकिस्तान पर क्या असर होगा?

असर-1:- ग्रूप स्टेज से बाहर होने का खतरा

आईसीसी की प्लेइंग कंडीशन के मुताबिक मैच बॉयकॉट करने से पाकिस्तान का ही रन रेट खराब होगा। 16.10.7 क्लॉज में बताया है कि पाकिस्तान के 20 ओवर में 0 रन होंगे। जबकि भारत का एक भी ओवर काउंट नहीं होगा। इससे पाकिस्तान का रन रेट बाकी मैच जीतकर भी निगेटिव में जा सकता है। ग्रूप-ए में भारत और पाकिस्तान के अलावा नामीबिया, नीदरलैंड और अमेरिका की टीमें हैं। पाकिस्तान अगर 3 में से एक भी मैच हार गई तो टीम ग्रूप स्टेज से ही बाहर हो जाएगी। अमेरिका तो पिछले वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को हराकर ग्रूप स्टेज में ही बाहर भी कर चुका है। नीदरलैंड भी आईसीसी टूर्नामेंट में बड़े उलटफेर करते आई है।

असर-2:- वर्ल्ड कप से बैन कर सकता है आईसीसी

आईसीसी ने पाकिस्तान को अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए कहा है। वर्ल्ड बॉडी अब पीसीबी से पूछेगा कि उसने बॉयकॉट क्यों किया? अगर पाकिस्तान ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया तो आईसीसी उसे इसी वर्ल्ड कप से बैन भी कर सकता है। इससे पहले भी 5 टीमें वर्ल्ड कप में मैच का बॉयकॉट कर चुकी हैं।

असर-3:- पीएसएल को एनओसी नहीं मिलेगी

पाकिस्तान इस मामले में सुरक्षा कारणों का हवाला नहीं दे सकता, क्योंकि टीम अपने सभी मैच भारत की बजाय श्रीलंका में खेलने वाली है। पीसीबी ने अगर बांग्लादेश को सपोर्ट करने का कारण दिया तो भी आईसीसी एक्शन ले सकता है क्योंकि आईसीसी ने पहले ही पीसीबी को धमकी दे दी थी कि अगर बांग्लादेश को सपोर्ट किया तो पाकिस्तान सुपर लीग को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट नहीं मिलेगा।

असर-4:- नॉकआउट स्टेज में भारत सामने आया तो क्या करेगा पाकिस्तान?

पाकिस्तान ने ग्रूप स्टेज में तो भारत के खिलाफ खेलने से मना कर दिया, लेकिन बोर्ड ने यह साफ नहीं किया कि नॉकआउट में अगर टीम इंडिया सामने आई तो टीम खेलेगी या नहीं? आईसीसी के सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान से जवाब मांगा जाएगा। अगर कारण संतोषजनक नहीं रहा तो पीसीबी पर सख्त एक्शन लिया जाएगा।

पाकिस्तान टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने पीसीबी के फैसले पर कहा, हम बस वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं। सरकार ने अगर किसी टीम के खिलाफ खेलने के लिए मना कर दिया तो हम उसका पालन करेंगे। हम टूर्नामेंट में अपना 100 प्रतिशत खेल दिखाने पर फोकस कर रहे हैं।

असर-5:- आईसीसी से मेजबानी मिलना मुश्किल

पाकिस्तान ने 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की थी। देश को 29 साल बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिली थी। आईसीसी अब पाकिस्तान को भविष्य में मिलने वाली मेजबानी से भी हटा सकता है क्योंकि भारत-पाकिस्तान मैच से आईसीसी की कमाई बढ़ती। अब मैच नहीं होगा, इससे आईसीसी का रेवेन्यू कम हो सकता है। इस नुकसान की भरपाई के लिए आईसीसी अब पाकिस्तान को मिलने वाले सालाना रेवेन्यू शेयर को भी घटा सकता है।

जयपुर पोलो टीम ने कोग्निवेरा कप जीतकर इस सीज़न का अपना सातवां खिताब जीता

जयपुर,02 फरवरी 2026। जयपुर पोलो टीम ने कोग्निवेरा कप में एक शानदार कैंपेन का अंत फाइनल में वी पोलो पर 5-2 की शानदार जीत के साथ किया। उन्होंने चारों चक्कों में कंट्रोल, डिसिप्लिन और पक्की फिनिशिंग का प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता। जयपुर ने मैच के बड़े हिस्से में खेल की गति को कंट्रोल किया, लगातार दबाव बनाया और अहम पलों का फायदा उठाकर एक हकदार जीत हासिल की। फाइनल की शुरुआत बराबरी पर हुई, दोनों टीमें खेल में अपनी जगह बना रही थीं। वी पोलो ने जल्दी ही अपना खाता खोला, जिसके तुरंत बाद जयपुर ने बराबरी कर ली, पहला चक्का 1-1 की बराबरी पर खत्म हुआ, जिससे एक कड़े मुकाबले का माहौल बन गया। दूसरे चक्के में जयपुर ने अपना दबदबा बनाना शुरू किया, बेहतर बॉल मूवमेंट और तेज फिनिशिंग से बढ़त बनाई। आखिरी पलों में एक गोल की मदद से जयपुर ने हाफटाइम तक 2-1 की मामूली बढ़त बना ली, जबकि वी पोलो ने मजबूत डिफेंस के जरिए खुद को मुकाबले में बनाए रखा।

तीसरा चक्का निर्णायक साबित हुआ क्योंकि जयपुर ने खेल की तीव्रता बढ़ा दी। लांस वॉटसन ने शानदार गोल करके टीम को आगे बढ़ाया, जबकि जयपुर के एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने खेल को प्रभावी ढंग से कंट्रोल किया, जिससे जयपुर ने चक्के के अंत तक अपनी बढ़त 4-1 तक पहुंचा दी। वी पोलो ने आखिरी चक्के में वापसी की कोशिश की, अपने अटैकिंग जोड़ी के जरिए एक गोल किया,लेकिन जयपुर दबाव में भी शांत रहा। वॉटसन ने मैच का अपना चौथा गोल करके किसी भी वापसी की उम्मीद खत्म कर दी, और जयपुर ने फाइनल 5-2 से जीतकर कोग्निवेरा कप अपने नाम कर लिया। लांस वॉटसन जयपुर के लिए चार गोल के साथ सबसे शानदार खिलाड़ी बनकर उभरे, जबकि जयपुर के एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने एक गोल किया, जो एक संतुलित और कंट्रोल्ड टीम प्रयास को दिखाता है। वी पोलो के लिए,विवान मेहता और सैंटियागो माराम्बियो ने एक-एक गोल किया।

थीगाला ने फार्मर्स इंश्योरेंस ओपन में लगातार दूसरी बार टॉप-10 में जगह बनाई

सैन डिएगो,02 फरवरी 2026। साहिथ थीगाला ने पीजीए टूर पर एक और शानदार हफ्ते का समापन लगातार दूसरे टॉप-10 फ़िनिश के साथ किया। इस बीच,जस्टिन रोज़ ने एक ज़बरदस्त, रिकॉर्ड-ब्रेकिंग प्रदर्शन करते हुए, टोरी पाइंस में फ़ार्मर्स इंश्योरेंस ओपन सात शॉट से जीत लिया। थीगाला ने 6-अंडर 66 का शानदार फ़ाइनल राउंड खेला,जिसमें उनके राउंड के बीच में लगातार चार बर्डी शामिल थीं। उन्होंने कुल 14-अंडर 274 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर बराबरी की, जबकि पिछले हफ्ते अमेरिकन एक्सप्रेस में आठवें स्थान पर बराबरी की थी। उनके क्लोजिंग राउंड में सात बर्डी और सिर्फ़ एक बोगी शामिल थी, जो सीज़न की शुरुआत में बढ़ती निरंतरता और गति को दर्शाता है। स्थिर शुरुआत करते हुए, थीगाला ने पहले और तीसरे होल पर बर्डी बनाई, जिसके बाद चौथे होल पर बोगी के साथ उन्हें दिन का एकमात्र झटका लगा। इसके बाद उन्होंने सातवें से दसवें होल तक लगातार चार बर्डी बनाकर अपने राउंड में जान डाल दी, अक्सर 10-15 फ़ीट से पुट डालकर। लगातार छह पार के बाद,उन्होंने 17वें होल पर एक और शॉट हासिल किया और फ़ाइनल होल पर आत्मविश्वास से पार के साथ फ़िनिश किया।

थीगाला अब लगातार दो ठोस प्रदर्शनों से प्रेरित होकर अगले हफ्ते के वेस्ट मैनेजमेंट फ़ीनिक्स ओपन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सुदर्शन येल्लमरजू ने 72 के साथ फ़िनिश किया और 56 वें स्थान पर बराबरी की, जबकि अक्षय भाटिया का हफ्ता निराशाजनक रहा और वह कट से चूक गए। लीडरबोर्ड में सबसे ऊपर, रोज़ साफ़ तौर पर अपनी ही लीग में थे। 45 वर्षीय इंग्लिशमैन ने 2-अंडर 70 के फ़ाइनल राउंड के साथ वायर-टू-वायर जीत हासिल की,23-अंडर 265 पर फ़िनिश किया और 1999 के टाइगर वुड्स के 72-होल रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

सतगुरु कबीर संत समागम समारोह : सीएम साय ने संत समागम समारोह की बढ़ाई राशि

कबीरपंथ का छत्तीसगढ़ के जनजीवन में व्यापक प्रभाव : मुख्यमंत्री साय

रायपुर, 02 फरवरी 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार को कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा में माघ पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित सतगुरु कबीर संत समागम समारोह में शामिल हुए। इस दौरान सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से विकसित प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। छत्तीसगढ़ को बहुत आगे ले जाना है और विकसित प्रदेश के रूप में खड़ा करना है। उन्होंने संत समागम समारोह दामाखेड़ा की राशि 50 लाख से बढ़ाकर 75 लाख रुपए करने की घोषणा की। इस अवसर पर सीएम साय ने पंथ श्री उदित मुनि नाम साहेब, पंथ श्री प्रकाश मुनि नाम साहब को चादर श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय माघ पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कबीर धर्म नगर दामाखेड़ा का संत समागम समारोह हर साल भव्य होते जा रहा है, जो लोगों में बढ़ते आस्था का प्रतीक है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कबीरपंथ का छत्तीसगढ़ के जनजीवन में व्यापक प्रभाव है इसलिए यहां के लोग शांति प्रिय है। वे बचपन से ही

कबीर पंथ से परिचित है और उनके गांव बगिया में भी 8-10 कबीर पंथी परिवार है। उन्होंने दामाखेड़ा का नाम कबीर धर्मनगर करने के संबंध में बताया कि राजपत्र में प्रकाशन हेतु अंतिम प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार से लोगों को सीधा फायदा मिल रहा है। अब मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास की बाधा की नक्सलवाद अब जल्द ही जड़ से समाप्त होने वाला है। नक्सलवाद का प्रदेश से 31 मार्च 2026 तक समूल नष्ट हो जाएगा। हमने जनता से किया वादा को तेजी से पूरा किया है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पंथ श्री उदित मुनि नाम साहब का चादर तिलक अद्भुत और अलौकिक रहा। पंथ श्री ने वृक्षारोपण, समाज सेवा, नशामुक्ति एवं युवा उत्थान के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने पंथ श्री का दर्शन कर प्रदेश की सुख समृद्धि का आशीर्वाद लिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कबीर आश्रम के विभिन्न विकास कार्यों को लेकर हमेशा चिंतित रहते है और शीघ्र पूरा करने के निर्देश देते हैं। कार्यक्रम को खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल, भाटापारा विधायक इंद्र साव ने भी सम्बोधित किया। समारोह में पंथश्री प्रकाश मुनि नाम साहब ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का कबीरपंथी समाज की ओर से आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष माघ मेला के प्रथम दिन बसंत पंचमी के अवसर पर कबीर पंथ के नये संवाहक 16 वें वंशाचार्य पंथी श्री उदित मुनि नाम साहेब का चादर तिलक संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि इस वर्ष देश के विभिन्न प्रांतों के साथ ही विदेशों से भी कबीरपंथी संत समागम मेला में आये हैं। समारोह को शासन प्रशासन का भरपूर सहयोग मिला है। इस अवसर पर पंथश्री उदित मुनि नाम साहब,गुरूगोसांई भानुप्रताप साहब, विधायक भावना बोहरा, ईश्वर साहू, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा सहित सदगुरू कबीर धर्मदास साहेब वंशावली प्रतिनिधि सभा के प्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में कबीरपंथ के अनुयायी उपस्थित थे।

कोयलीबेड़ा में ग्रामीणों का बड़ा प्रदर्शन....

सड़क पर उतरे 68 गांव के लोग,कहा... क्षेत्र में शांति आई,अब सुविधाएं चाहिए...

कांकेर,02 फरवरी 2026। एक समय था अतिसंवेदनशील कोयलीबेड़ा इलाके में विकास की सुविधाओं को लोग तरसते थे। विकास की गति को नक्सली रोका करते थे, लेकिन अब जब इलाके से नक्सलवाद समाप्त होता जा रहा है तो पूरा इलाका एक होकर सड़क पर उतर आया है। 18 ग्राम पंचायत के 68 गांव के लोग शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंक, कार्यालय सहित अन्य सुविधाएं मांग रहे हैं। कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा इलाका नक्सवाद ग्रस्त इलाको में सबसे अतिसंवेदनशील है। इस इलाके में नक्सलियों की दहशत की वजह से अंदरूनी इलाकों में विकास के पाव रुक गए थे। सरकार इसी नक्सलवाद को खत्म कर शांति और विकास की बागडोर संभाल कर सुविधा प्रदान करने मुहिम छेड़ रखी है। अब जब इलाके से नक्सलवाद अंतिम सांसे गिन रहा है तो लोगों की उम्मीदें बढ़ने लगी है। लोग अब वर्षों से महरूम रहे सुविधाओं की मांग कर रहे हैं। आज कोयलीबेड़ा इलाके के 18 ग्राम पंचायत के 68 गांव के ग्रामीणों ने 5 सूत्रीय मांगों को लेकर चक्काजाम और धरना प्रदर्शन किया।

ब्लॉक मुख्यालय कोयलीबेड़ा में नहीं बैठते अधिकारी : ग्रामीणों का कहना है कि कोयलीबेड़ा ब्लॉक मुख्यालय होने के बावजूद कोयलीबेड़ा में अधिकारी नहीं बैठते। सभी कार्यालय और उनके अधिकारी 50 किलोमीटर दूर पखांजूर में कार्यालय चला रहे हैं, जिससे इलाके के सभी गांवों के लोगों को लंबी दूरी तय कर जाना पड़ता है। मांग के बावजूद लोगों की मांगे केवल मांगे बनकर ही रह

गई है। वहीं 68 गांव के ग्रामीणों के बच्चों को बेहतर शिक्षा नहीं मिल रही है।

लंबे समय से कर रहे महाविद्यालय की मांग : ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल की हालत जर्जर है, महाविद्यालय की मांग लंबे समय से कर रहे है। बारहवीं के बाद बच्चों को आगे की पढ़ाई के लिए 50 किलोमीटर दूर भानुप्रतापपुर जाना पड़ता है। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने से बच्चे पढ़ाई छोड़ रहे हैं। स्वास्थ्य का भी बुरा हाल है। सुविधा केवल कागजो में सिमट कर रह गई है। एक एम्बुलेंस, महिला डॉक्टर सहित अन्य डॉक्टरों की कमी, उपकरणों की कमी सहित अन्य दिक्कतों ने लोगों को परेशान कर रखा है। इस इलाके के लोग किसानी कार्य पर निर्भर है। सभी ग्रामीण सरकार की योजनाओं के तहत अपनी उपज बेच रहे हैं, लेकिन पैसे 50 किलोमीटर दूर भानुप्रतापपुर में सप्ताह में केवल एक दिन बुधवार को दिया जाता हैं। पैसा नहीं मिलने पर किसान वापस लौट आते हैं।

चलती ट्रेन में महिला ने दिया बच्चे को जन्म

रायपुर में यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों की सूझबूझ से बची दो जिंदगियां,मां-नवजात दोनों सुरक्षित...

रायपुर,02 फरवरी 2026। हैदराबाद के महबूबनगर से चांपा जा रही ट्रेन नंबर 12251 वैनगंगा एक्सप्रेस में रविवार को सफर कर रही एक गर्भवती महिला को अचानक प्रसव पीड़ा हुई। उसने चलती ट्रेन में ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। अब मां और नवजात दोनों पूरी तरह सुरक्षित हैं। रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। दरअसल, 25 वर्षीय अंकिता कुमारी अपने पति दिनेश कुमार के साथ हैदराबाद से चांपा जा रही थीं। वे स्लीपर कोच एस-2 में सफर कर रहे थे। दुर्ग स्टेशन पार करने के बाद अचानक दर्द शुरू होने पर कोच में मौजूद यात्रियों ने ट्रेन के टीटीई ईशांत शर्मा को इसकी जानकारी दी। उन्होंने तत्काल इसकी जानकारी रेलवे प्रशासन को सूचना देने के साथ ही सह-यात्री महिलाओं ने डॉक्टर्स के आने से पहले ही सुरक्षित प्रसव कराने में बड़ी भूमिका निभाई।

रायपुर स्टेशन पर डॉक्टरों ने संभाला मोर्चा

जैसे ही ट्रेन रायपुर स्टेशन पहुंची, वाणिज्य अधीक्षक एम.एस. राजा स्टेशन टीम के साथ मौके पर पहुंचे। रेलवे अस्पताल की डॉ. बिजोया और नर्स दीपमाला ने महिला और नवजात की जांच की। महिला के पति की सहमति के बाद मां और नवजात को सुरक्षित ट्रेन से उतारकर एम्बुलेंस के जरिए मेकाहारा अस्पताल भेजा गया।

मां और बच्चा दोनों स्वस्थ

रायपुर मेकाहारा के डॉक्टर्स ने भी जांच के बाद बताया कि, मां और नवजात शिशु दोनों की स्थिति सामान्य है। रेलवे प्रशासन, सह-यात्रियों और मेडिकल टीम के बीच बेहतर समन्वय के कारण यह प्रसव सफल रहा। अंकिता कुमारी- दिनेश कुमार के परिवार ने रेलवे स्टाफ और मदद करने वाले लोगों का आभार जताया है।

सभी विभागों ने तालमेल दिखाया : घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे हॉस्पिटल रायपुर, स्टेशन वाणिज्य अधीक्षक एम.एस. राजा, स्टेशन मास्टर एन.के. साहू, मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष, यात्री गाड़ी नियंत्रण कार्यालय और स्टेशन टीटीई संजीत कुमार को अलर्ट किया गया।

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने राज्य सरकार पर धान खरीदी में लापरवाही का लगाया आरोप

एपस्टीन फाइल के मुद्दे पर पीएम मोदी पर भी उठाया सवाल

रायपुर,02 फरवरी 2026। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राज्य सरकार पर समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस वर्ष मात्र 53 दिनों तक ही धान खरीदी की, जबकि पहले 75 दिनों की घोषणा की गई थी। अंतिम तिथि 31 जनवरी थी, लेकिन अंतिम दो दिन शनिवार और रविवार होने के कारण खरीदी नहीं हो सकी, जिससे लाखों किसान धान बेचने से वंचित रह गए। दीपक बैज ने पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि सरकार ने इस वर्ष 165 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य तय किया था, लेकिन केवल 139 लाख 85 हजार मीट्रिक टन ही खरीदी हो सकी। यानी लक्ष्य से करीब 25 लाख मीट्रिक टन कम। पिछले वर्ष 149 लाख मीट्रिक टन खरीदी हुई थी, जबकि इस वर्ष 9 लाख 15 हजार मीट्रिक टन कम धान खरीदा गया। उन्होंने कहा कि कुल 27 लाख किसानों का पंजीयन हुआ था, लेकिन इनमें से करीब 2.5 लाख किसान अपना धान नहीं बेच सके। वहीं, लगभग 5 लाख किसान एग्रीस्टेक पोर्टल की तकनीकी समस्याओं के कारण पंजीयन से ही वंचित रह गए। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों की सहमति के बिना जबरन रकबा सरेंडर कराया गया और पहले से जारी टोकन भी निरस्त कर दिए गए। उन्होंने कहा कि टोकन नहीं मिलने और खरीदी नहीं होने के कारण महासमुंद,कवर्धा, कोरबा जैसे जिलों में कई किसानों ने आत्महत्या का प्रयास किया,जबकि एक किसान ने आत्महत्या भी कर ली। यह स्थिति बताती है कि धान खरीदी व्यवस्था के कारण किसान गंभीर संकट में हैं। नारायणपुर, बलरामपुर और बस्तर को छोड़कर राज्य के अधिकांश जिलों में 5 प्रतिशत से 32 प्रतिशत तक कम धान खरीदी हुई है।

गरियाबंद की घटना कानून व्यवस्था की विफलता : दीपक बैज

दीपक बैज ने गरियाबंद जिले के दुतकैया गांव में एक समुदाय के घर जलाए जाने की घटना को बेहद दुर्भाग्यजनक बताया। उन्होंने कहा कि यह घटना पुलिस और सरकार की लापरवाही का परिणाम है। यदि समय रहते अराजक तत्वों पर कार्रवाई होती तो यह घटना नहीं होती। उन्होंने दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए मामले की न्यायिक जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि बलौदाबाजार,कवर्धा,बलरामपुर के बाद अब गरियाबंद में भी जनता ने कानून हाथ में लिया है। इससे साफ है कि लोगों का सरकार और कानून व्यवस्था पर भरोसा कमजोर हुआ है। केंद्र सरकार के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए दीपक बैज ने कहा कि एक बार फिर छत्तीसगढ़ की उपेक्षा हुई है। बजट में राज्य का उल्लेख केवल विशेष कॉरिडोर तक सीमित रहा,वह भी राज्य की जनता के लिए नहीं बल्कि खनिज दोहन को आसान बनाने के लिए। बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों के विकास के लिए बजट में कोई ठोस प्रावधान नहीं है।

एपस्टीन फाइल को लेकर भाजपा की चुप्पी पर सवाल

दीपक बैज ने एपस्टीन फाइल के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि इस मामले में प्रधानमंत्री और भाजपा को स्पष्ट जवाब देना चाहिए,क्योंकि इससे देश की छवि प्रभावित हो रही है।

गरियाबंद : लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला,गांव में मचा हड़कंप

राजिम,02 फरवरी 2026। गरियाबंद जिले के राजिम थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दुतकैया में मारपीट और जानलेवा हमले की सनसनीखेज घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है,जहां आरोप है कि आरिफ खान अपने कुछ

साथियों के साथ अलग-अलग स्थानों पर राह चलते युवकों पर पत्थर और लाठी-डंडों से हमला कर फरार हो गया; इस हमले में कई युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें सब-स्टेशन में ड्यूटी कर रहे अरविंद साहू पर रात के समय सिर पर जानलेवा हमला किया गया, वहीं अरंड-धमनी मोड़ के पास ललित साहू और कुलेश्वर साहू पर पत्थर से हमला हुआ, जिसमें कुलेश्वर को पेट के पास गंभीर चोट आई है, नरेंद्र साहू के हाथ में गंभीर चोट बताई जा रही है जबकि रेखु यादव की भुजा में फ्रैक्चर की आशंका जताई जा रही है, वहीं कुछ अन्य युवकों ने भागकर अपनी जान बचाई; ग्रामीणों का आरोप है कि मुख्य आरोपी पहले भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है, घटना के बाद से गांव में तनाव और आक्रोश का माहौल बना हुआ है, साहू समाज सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है, फिलहाल आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर बताए जा रहे हैं, जबकि मामले की गंभीरता को देखते हुए गरियाबंद एसपी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और पुलिस द्वारा सघन जांच व आरोपियों की तलाश जारी है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 7 फरवरी को छत्तीसगढ़ आएंगी,बस्तर पंडुम कार्यक्रम का करेंगी शुभारंभ

रायपुर,02 फरवरी 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 7 फरवरी को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर के दौरे पर रहेंगी। राष्ट्रपति यहां बस्तर पंडुम के संभाग स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होकर इसका शुभारंभ करेंगी। राष्ट्रपति के प्रस्तावित प्रवास को लेकर राज्य प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस संबंध में बीते दिनों मुख्य सचिव विकास शील ने मंत्रालय महानदी भवन में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेकर सुरक्षा, प्रोटोकॉल और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की थी। समीक्षा के साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बस्तर कलेक्टर से जगदलपुर में की जा रही तैयारियों जल्द पूरा करने का निर्देश जारी किया था। वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा घेरा, यातायात प्रबंधन, चिकित्सा सुविधाएं और आपातकालीन व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। रायपुर कलेक्टर को भी राष्ट्रपति के आगमन और प्रस्थान से जुड़ी व्यवस्थाओं के लिए जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

बिलासपुर में यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ भड़का आक्रोश

सवर्ण समाज ने रैली निकालकर जताया विरोध,कलेक्ट्रेट का घेराव कर जमकर की नारेबाजी

बिलासपुर,02 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) के नए नियमों के खिलाफ सोमवार को सवर्ण समाज में आक्रोश देखने को मिला। समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में रैली निकालकर विरोध जताया। रैली देवकीनंदन चौक से शुरू होकर कलेक्ट्रेट पहुंची, जहां प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की और कलेक्ट्रेट का घेराव कर हंगामा किया। इस दौरान कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया।

'यूजीसी एक्ट वापस लो' लगे नारे : दरअसल, सोमवार दोपहर देवकीनंदन चौक से जैसे ही रैली शुरू हुई, पूरा इलाका नारेबाजी से गूंज उठा। हाथों में बैनर-तख्तियां लिए सवर्ण समाज के लोग

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ आक्रोश जताते हुए कलेक्ट्रेट की ओर बढ़े। 'यूजीसी एक्ट वापस लो' जैसे नारों से माहौल गरमाया रहा। दोपहर में रैली कलेक्ट्रेट पहुंची, जहां प्रदर्शनकारियों ने घेराव कर विरोध दर्ज कराया। इस दौरान समाज के बुजुर्गों ने कहा कि,यूजीसी के नए नियम शिक्षा व्यवस्था के साथ खिलवाड़ हैं और इससे समाज में असंतुलन पैदा होगा।

आरक्षण नहीं लेने वाले सभी समाज के लोग आए नजर : प्रदर्शन में केवल सवर्ण समाज ही नहीं,बल्कि आरक्षण का लाभ नहीं लेने वाले अन्य समाजों के लोग भी शामिल नजर आए। इससे यह साफ दिखा कि मुद्दा सिर्फ एक वर्ग का नहीं, बल्कि व्यापक जनहित से जुड़ा है। प्रदर्शन के दौरान यूजीसी के नए एक्ट को शिक्षा और समाज के लिए नुकसानदायक बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की गई। हाथों में तख्तियां और बैनर लिए प्रदर्शनकारी 'यूजीसी एक्ट वापस लो ', 'शिक्षा के साथ खिलवाड़ बंद करो' जैसे नारे लगाते नजर आए।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सरकार तय करे अपना रूख : समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि, आजादी के बाद से सवर्ण समाज के साथ अन्याय हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने सिस्टम पर सवाल उठाते हुए जो फैसला दिया है,वो सर्व समाज के हित में है। संविधान में उल्लेख है कि भारत में किसी धर्म और भेदभाव नहीं होना चाहिए। लेकिन, हमेशा से सवर्ण के खिलाफ बातें होती है। संविधान में कानून बनाया है। जिसके तहत कानून के खिलाफ सभी वर्ग के खिलाफ कार्रवाई का प्रावधान है। गुरु घासीदास बाबा ने भी कहा है कि मनखे-मनखे एक समान है। लेकिन, वर्तमान में समाज को बांटने के लिए आरक्षण लागू किया है। जिसे अब शिक्षा के मंदिर तक फैलाकर गंदगी की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पर रोक दी है। अब केंद्र सरकार को अपना रूख स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वो इस काला कानून को वापस लेगी या नहीं।

गांजा तस्करी पर ANTF की बड़ी कार्रवाई...कार से 25 किलो गांजा जब्त,4 अंतरराज्यीय समेत 5 तस्कर गिरफ्तार

महासमुंद,02 फरवरी 2026। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई करते हुए एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने थाना कोमाखान क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने 25 किलो गांजा जब्त किया है,जिसकी बाजार कीमत करीब 12 लाख 50 हजार रुपये बताई जा रही है। इस मामले में ओडिशा के 4 अंतरराज्यीय तस्करों सहित रायपुर के मुख्य खरीददार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से गांजा परिवहन में प्रयुक्त टाटा जेस्ट कार (CG 10 AS 9099), जिसकी कीमत करीब 5 लाख रुपये के साथ 2 लाख 03 हजार 100 रुपये नगद और 5 मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। जब्त कुल संपत्ति की अनुमानित कीमत 19 लाख 84 हजार 100 रुपये है।

27वीं कार्रवाई, 2026 में अब तक 2123 किलो से अधिक मादक पदार्थ जब्त : एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की यह कार्रवाई वर्ष 2026 की अब तक की 27वीं बड़ी कार्रवाई है। एएनटीएफ के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक 2123.716 किलो अवैध मादक पदार्थ जब्त किए जा चुके हैं और 68 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से 55 आरोपी राज्य के बाहर के हैं।

ऐसे पकड़े गए आरोपी : 1 फरवरी 2026 को एएनटीएफ को अवैध गांजा परिवहन की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर विधिवत कार्रवाई करते हुए कोमाखान थाना क्षेत्र में आरोपियों के संयुक्त कब्जे से 25 किलो गांजा, परिवहन में प्रयुक्त कार, मोबाइल फोन और नगदी जब्त की गई। इस प्रकरण में रायपुर शिवनगर, शीतला मंदिर के पास, आजाद चौक निवासी बंशी साहू को मुख्य खरीददार बताया गया है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट की धारा 20(बी)(ii)(सी) और 29 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर सभी आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया है। उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

एजेंट-कर्मचारियों की मिलीभगत से खाताधारकों को नुकसान,उपभोक्ता आयोग ने डाक विभाग को माना जिम्मेदार,1.91 करोड़ भुगतान का दिया आदेश

रायपुर,02 फरवरी 2026। डाक बचत खातों में हुई बड़ी वित्तीय अनियमितता के मामले में छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने भारतीय डाक विभाग को जिम्मेदार ठहराते हुए खाताधारकों के पक्ष में अहम फैसला सुनाया है। आयोग ने एजेंट एवं विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत को सेवा में गंभीर कमी मानते हुए डाक विभाग को 1.91 करोड़ रुपये से अधिक की परिपक्वता राशि ब्याज सहित भुगतान करने का आदेश दिया है। परिवादी अनिल कुमार पाण्डेय, उनकी पत्नी एवं पुत्री द्वारा डाक बचत अभिकर्ता भूपेन्द्र पाण्डेय एवं आकांक्षा पाण्डेय के माध्यम से पं.

रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय डाकघर में अगस्त 2016 से नवंबर 2020 के बीच कुल 19 टीडीआर खाते एवं 2 आवर्ती जमा खाते खोले गए थे। इन खातों की कुल परिपक्वता राशि 1 करोड़ 97 लाख 42 हजार 705 रुपये थी। परिवादियों के अनुसार,पूर्व में परिपक्व खातों की राशि के पुनर्निवेश के लिए पोस्टमास्टर के नाम से चेक जारी किए गए थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)